मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | भोपाल, बुधवार 28 अक्टूबर 2026 | वर्ष-08, अंक-343, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

मुख्यमंत्री डॉ.यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

कैंपा फंड के लिए 2050 करोड़ मंजूर, ईओडब्ल्यू को 345 करोड़

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मध्य प्रदेश कैबिनेट की बैठक में विकास योजनाओं, प्रशासनिक व्यवस्था और किसान कल्याण से जुड़े कई फैसले लिए गए। कैंपा फंड के तहत 2050 करोड़ रुपये के प्लान और आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) के लिए 345 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई। इसके अलावा चार नए जिलों में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय खोलने और नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की चार योजनाओं को जारी रखने का फैसला लिया गया। बैठक में नगरीय निकायों की खरीदी में अनियमितताओं पर कार्रवाई, कम बारिश से प्रभावित किसानों की मदद और दिसंबर में मंत्रियों के चिंतन शिविर की तैयारियों पर भी चर्चा हुई।

कैबिनेट ने कैंपा फंड के तहत 2050 करोड़ रुपये के प्लान को स्वीकृति दी। वहीं, ईओडब्ल्यू के कामकाज के लिए 345 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की वर्ष 2019-20 से चल रही चार योजनाओं को आगे जारी रखने के लिए 3378 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। ये योजनाएं छिंदवाड़ा, मुरैना, सिवनी और सागर जिलों से संबंधित हैं। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन विभाग की सात योजनाओं को जारी रखने के लिए भी 351 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए।



चार नए जिलों में खुलेंगे डीईओ कार्यालय

प्रदेश के नवगठित जिलों निवाड़ी, मऊगंज, पांढुर्णा और मैहर में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय खोलने की मंजूरी दी गई। इन कार्यालयों के लिए जरूरी पद भी स्वीकृत किए गए हैं। इससे संबंधित जिलों में शिक्षा विभाग के प्रशासनिक कामकाज को स्थानीय स्तर पर संचालित करने में मदद मिलेगी।

कम बारिश वाले जिलों में किसानों को राहत पर विचार

कैबिनेट में किसान कल्याण वर्ष के तहत किए गए कामों का प्रस्तुतिकरण दिया गया। प्रदेश के 12 जिलों में कम बारिश की स्थिति पर चर्चा करते हुए जिलेवार आकलन के आधार पर किसानों को सहायता देने पर विचार किया गया। अलीराजपुर, इंदौर, उज्जैन, बैतूल, हरदा, नर्मदापुरम, रतलाम, झाबुआ, धार, शाजापुर और पांढुर्णा सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति पर ध्यान दिया जा रहा है। अलीराजपुर में सामान्य से करीब 52 प्रतिशत कम बारिश दर्ज होने की जानकारी दी गई। प्रभावित जिलों को सूखाग्रस्त घोषित करने का अंतिम निर्णय अभी होना है।

नगरीय निकायों में अनियमितताओं पर 392 लोगों पर कार्रवाई

बैठक में नगरीय निकायों में सामान की खरीदी से जुड़ी अनियमितताओं पर की गई कार्रवाई की जानकारी दी गई। एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप के अनुसार, अब तक 201 मामलों में 392 अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। गड़बड़ियों की पहचान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) और दूसरी तकनीकों की मदद ली गई। यह कार्रवाई पिछले छह महीनों में की गई है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में सख्ती से कार्रवाई करने और जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए।

रेलवे ने दिल्ली आने-जाने वाली 45 ट्रेनों का समय बदला

एजेन्सी, नई दिल्ली



उत्तर रेलवे ने दिल्ली और आसपास के स्टेशनों से चलने वाली और यहां पहुंचने वाली 45 ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है। कुछ ट्रेनों के आगमन और प्रस्थान का समय 28 अक्तूबर से बदल जाएगा। वहीं, कुछ ट्रेनों के समय में बदलाव नवंबर और दिसंबर में लागू होगा। इसके अलावा प्रयागराज से आने वाली हमसफर एक्सप्रेस समेत कुछ ट्रेनों के टर्मिनल भी नई दिल्ली से आनंद विहार स्थानांतरित किए जाएंगे। नौचंदी एक्सप्रेस के मार्ग में भी बदलाव किया जाएगा।

रेलवे के अनुसार, हावड़ा से नई दिल्ली आने वाली पूर्वा एक्सप्रेस 28 अक्तूबर से सुबह 6:20 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। नई समय-सारणी के तहत ट्रेन सुबह 6:45 बजे नई दिल्ली से शकूरबस्ती के लिए रवाना होगी और सुबह 7:20 बजे शकूरबस्ती पहुंचेगी। इसी तरह नई दिल्ली से हावड़ा जाने वाली पूर्वा एक्सप्रेस 30 अक्तूबर से शकूरबस्ती से शाम 4:35 बजे रवाना होगी और शाम 5:15 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। प्रयागराज से नई दिल्ली आने वाली हमसफर एक्सप्रेस 29 अक्तूबर से सुबह 6:35 बजे पहुंचेगी। वहीं, नई दिल्ली से प्रयागराज जाने वाली हमसफर एक्सप्रेस 28 अक्तूबर से रात 11:05 बजे रवाना होगी। प्रयागराज पहुंचने का समय भी सुबह 6:20 बजे से बदलकर 7:45 बजे कर दिया गया है।

ट्रम्प पर स्विस मॉडल ने रेप का आरोप लगाया:कहा-

वीजा दिलाने के बहाने होटल में बुलाया था, 33 साल पुराना मामला

एजेन्सी, नई दिल्ली

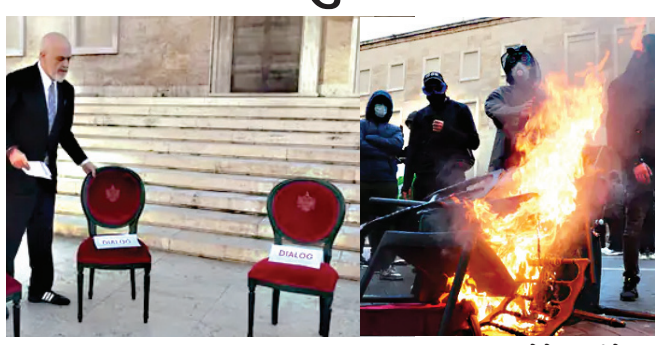
स्विट्जरलैंड की पूर्व मॉडल बीट्रिस क्यूल ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प पर रेप का आरोप लगाया है। उसने कहा कि 1993 में न्यूयॉर्क के प्लाजा होटल में ट्रम्प ने उनके साथ रेप किया था।

क्यूल ने बताया कि घटना के बाद उनके शरीर के कई हिस्सों से खून बह रहा था और चोट के निशान पड़ गए थे। यह दावा अमेरिकी संसद में डेमोक्रेटिक सदस्यों की ओर से जारी एक नई रिपोर्ट में किया गया है। क्यूल ने 2024 में ट्रम्प पर यौन शोषण का आरोप लगाया था। तब उन्होंने कहा था कि 1993 में ट्रम्प ने उन्हें जबरन पकड़ा, चूमा और उनके कपड़े उतारने की कोशिश की थी। अब नई रिपोर्ट में क्यूल ने समिति के कर्मचारियों को बताया कि उस घटना में ट्रम्प ने उनके साथ रेप किया था। क्यूल स्विट्जरलैंड की मॉडल और पूर्व मिस स्विट्जरलैंड हैं। उनके मुताबिक, 1993 में वह अमेरिकन ड्रीम पेजेंट में हिस्सा लेने अमेरिका गई थीं। इस प्रतियोगिता की ट्रम्प के साथ साझेदारी थी। कार्यक्रम के दौरान मैनहैटन के प्लाजा होटल में पत्रकारों के साथ दोपहर के भोजन के समय उनकी ट्रम्प से मुलाकात हुई। क्यूल ने बताया कि इसके बाद ट्रम्प के एक सहयोगी ने उन्हें होटल के कमरे में मिलने के लिए बुलाया। उन्हें लगा था कि वहां बातचीत होगी लेकिन उनके आरोप के मुताबिक, कमरे में ट्रम्प ने पीछे से उन्हें पकड़ लिया और जबरन रेप किया। क्यूल का आरोप है कि घटना के बाद ट्रम्प ने उनसे चुप रहने को कहा। उन्होंने अमेरिका का वीजा दिलाने और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी में दाखिला दिलाने में मदद करने का वादा भी दोहराया।



प्रधानमंत्री ने खुद इन्हें रखा था

अल्बानिया में छात्रों ने पीएम ऑफिस की कुर्सियां जलाईं



एजेन्सी, नई दिल्ली

अल्बानिया में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने रविवार को प्रधानमंत्री कार्यालय के बाहर रखी कुर्सियों में आग लगा दी। प्रधानमंत्री एडी रामा ने छात्रों से बातचीत करने के लिए ये कुर्सियां और पत्थर की एक बड़ी मेज रखवाई थी। कुर्सियों पर डायलॉग यानी बातचीत लिखा था, लेकिन छात्रों ने बातचीत के इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। उन्होंने कुर्सियों पर इस्तीफा लिखकर अपना विरोध जताया।

राजधानी तिराना में छात्र और युवा पिछले 13 दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार को प्रदर्शनकारी पहले शिक्षा मंत्रालय के बाहर जुटे। यहां उन्होंने कुछ देर तक प्रदर्शन किया और इमारत पर पत्थर भी फेंके। इसके बाद वे प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर बढ़ गए और वहां रखी कुर्सियों में आग लगा दी।

साइंस कॉन्क्लेव में बोले पीएम मोदी

भारत में इनोवेशन की परंपरा रही: शून्य की खोज की नंबर सिस्टम बनाया, हमारा लक्ष्य आत्मनिर्भर बनना

एजेन्सी, नई दिल्ली

हमें आज जो सफलताएं मिल रही हैं, वे पहले कभी नहीं मिलीं। 'विकसित भारत' की नींव वैज्ञानिक अनुसंधान पर टिकी होगी। भारत एक नई सोच और नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारा लक्ष्य नई तकनीकें विकसित करना है।

हमारा लक्ष्य महत्वपूर्ण तकनीकों के क्षेत्र में अपनी क्षमताओं का विस्तार करना है। भारत का लक्ष्य आत्मनिर्भर बनना है। ये बातें पीएम मोदी ने मंगलवार को दिल्ली के भारत मंडपम में इमर्जिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कॉन्क्लेव के उद्घाटन में कहीं।

ESTIC साइंस-इनोवेशन से जुड़ा एक राष्ट्रीय सम्मेलन है। यह 27-28 अक्टूबर तक चलेगा, इसमें 12 सेक्टरों पर चर्चा की जाएगी। तीन नोबेल विजेता इसके स्पीकर होंगे।



पीएम मोदी ने कहा, 'भारत में इनोवेशन की परंपरा रही है। शून्य की खोज और नंबर सिस्टम का विकास भारत की वैज्ञानिक विरासत के उदाहरण हैं। अब इसी विरासत के दम पर नई तकनीकें विकसित करनी हैं।'

AI कई नियमित काम कर सकता है, लेकिन इससे वैज्ञानिक सोच और सवाल पूछने की प्रवृत्ति कमजोर नहीं होनी चाहिए। देश को तकनीक अपनाने के साथ नई खोज और अनुसंधान पर भी जोर देना होगा। भारत को AI, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष और साइबर सुरक्षा जैसी अहम तकनीकों में अपनी क्षमता बढ़ानी होगी। लक्ष्य सिर्फ तकनीक इस्तेमाल करना नहीं, बल्कि देश में समाधान विकसित करना भी है। वैज्ञानिक अनुसंधान का मकसद सिर्फ बड़ी खोजें करना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी जरूरतों को बेहतर बनाना भी है। तकनीक तभी उपयोगी है, जब उसका लाभ आम लोगों तक पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा, 'हमें अपने वैज्ञानिकों और संस्थानों को आज की जरूरतों के साथ भविष्य के लिए भी तैयार करना है। एआई, स्पेस और सेमीकंडक्टर ऐसे सेक्टर हैं जो फ्यूचर को शेप और सेफ करेंगे। इसलिए नई-नई कोशिशें की जा रही हैं।' इस दौर में साइबर सिक्योरिटी को लेकर भी नई परेशानियां आ रही हैं। हमारा लक्ष्य ऐसी टेक्नोलॉजी विकसित करना है जो देश को आगे बढ़ाए।

जियो की शेयर बाजार में एंट्री

दलाल स्ट्रीट पर लिस्टिंग आज

एजेन्सी, नई दिल्ली



भारतीय पूंजी बाजार के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। देश का अब तक का सबसे बड़ा और 10.3 लाख करोड़ रुपये के वैल्यूएशन वाला प्राथमिक निर्गम (आईपीओ) पूरा करने के बाद जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड (जेपीएल) के शेयर बुधवार (28 अक्तूबर 2026) को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर लिस्ट होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

प्राथमिक बाजार में मिले रिकॉर्ड रिस्पॉन्स और ग्रे मार्केट के संकेतों को देखें तो यह कंपनी अपनी लिस्टिंग के दिन ही भारतीय कॉरपोरेट जगत के कई बड़े रिकॉर्ड्स को ध्वस्त कर सकती है। भारतीय बाजार में अब तक किसी भी कंपनी ने 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के मूल्यांकन पर अपना आईपीओ लॉन्च नहीं किया था। जियो प्लेटफॉर्म्स ने 1,119 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 27 करोड़ नए शेयर जारी कर 10.3 लाख करोड़ रुपये के मूल्यांकन पर यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया है। अपनी आईपीओ कीमत के आधार पर ही जियो प्लेटफॉर्म्स बाजार पूंजीकरण के मामले में देश की चौथी सबसे बड़ी सूचीबद्ध कंपनी बन चुकी है। यह केवल रिलायंस इंडस्ट्रीज (16.2 लाख करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (12.2 लाख करोड़ रुपये) और एचडीएफसी बैंक (10.6 लाख करोड़ रुपये) से ही पीछे है। अब 28 अक्तूबर को जब इसके शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे, तो दलाल स्ट्रीट पर नया कीर्तिमान स्थापित होना तय माना जा रहा है।

150 किमी. की रफ्तार से आगे बढ़ रहा चक्रवात

आंध्र और ओडिशा में भारी बारिश शुरू, एमपी-यूपी और बिहार में भी अलर्ट

एजेन्सी, चेन्नई/भुवनेश्वर/भोपाल

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात अर्नब 150 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। इसके 28 अक्टूबर की सुबह बापटला और विशाखापत्तनम के बीच तट से टकराने की आशंका है। आंध्र प्रदेश के 16 जिलों में भारी बारिश का रेडअलर्ट जारी किया गया है। तटीय इलाकों में लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया है। आंध्र-ओडिशा में करीब 4,000 शेल्टर बनाए गए हैं। विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम हवाई अड्डों पर मंगलवार और बुधवार को 21 उड़ानें रद्द कर दी गईं।

आंध्र-ओडिशा में भारी बारिश शुरू हो गई है। समुद्र में नौकाएं ले जाने पर पाबंदी लगा दी गई है। स्कूल भी बंद हैं। मौसम विभाग ने तेलंगाना, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पुडुचेरी, बिहार और उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। अंडमान-निकोबार सहित तटीय इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी गई है।



एअर इंडिया नेएडवाइजरी जारी की

चक्रवात अर्नब के चलते एअर इंडिया ने विशाखापत्तनम और विजयवाड़ा आने-जाने वाली फ्लाइट के यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। एयरलाइन ने यात्रियों से फ्लाइट का स्टेटस जांचने और एयरपोर्ट पहुंचने के लिए अतिरिक्त समय रखने की अपील की है। एअर इंडिया ने कहा कि खराब मौसम के कारण सड़क से एयरपोर्ट पहुंचने में भी परेशानी हो सकती है।

2 दिन बारिश के आसार; ऊंचे पहाड़ों पर होगी बर्फबारी, 6 जिलों में अलर्ट

हिमाचल प्रदेश में बुधवार रात से मौसम बदलेगा। जिस कारण अगले 48 घंटे तक राज्य के कुछ भागों में बारिश के आसार है। इस दौरान लाहौल स्पीति, किन्नौर और चंबा जिले की ऊंची चोटियों पर हल्का हिमपात हो सकता है। 29 अक्टूबर को राज्य के ज्यादातर भागों में मौसम खराब रहेगा। इस दिन कांगड़ा, मंडी, सोलन, शिमला और सिरमौर जिले में आसमानी बिजली गिरने का यलो अलर्ट दिया गया है। 30 अक्टूबर को कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिले में चेतावनी दी गई है। मौसम में बदलाव के बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आएगी। अभी भी सुबह-शाम और रात के समय ऊंचे पहाड़ों पर ठंड पड़ रही है। प्रदेश के 11 शहरों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है। ट्राइबल एरिया में ठंड का असर ज्यादा है। प्रदेश में औसत अधिकतम तापमान सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस अधिक चल रहा है, जबकि औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.2 डिग्री नीचे है। दिन और रात के तापमान में अंतर के कारण दिन में धूप के दौरान मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहता है, लेकिन सुबह-शाम और रात में ठंड महसूस हो रही है। आने वाले दिनों में पश्चिमी विक्षोभ के असर से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ठंड बढ़ने और ऊंची चोटियों पर हल्के हिमपात की संभावना है। ऐसे में पहाड़ी क्षेत्रों में यात्रा करने वाले लोगों को मौसम के पूर्वानुमान पर नजर रखने की जरूरत है।



23 निर्माणों को नोटिस, चार खतरनाक निर्माण हटाए गए

220 केवी फीडर के प्रतिबंधित कॉरिडोर में निर्माणों पर एमपी ट्रांसको की कार्रवाई

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के निर्देशों के पालन तथा विद्युत दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा पूरे प्रदेश में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अनूपपुर जिले में रेलवे को बिजली आपूर्ति करने वाली 220 केवी ट्रैक्शन फीडर ट्रांसमिशन लाइन के प्रतिबंधित कॉरिडोर में बने निर्माणों पर विशेष ध्यान देते हुए सघन जागरूकता एवं कार्रवाई अभियान चलाया गया । अभियान के तहत प्रतिबंधित कॉरिडोर में आने वाले 23 निर्माणों के संबंध में नोटिस जारी किए गए हैं, जबकि अब तक चार खतरनाक निर्माण हटाए जा चुके हैं। स्थानीय प्रशासन के सहयोग से लोगों को प्रतिबंधित कॉरिडोर में निर्माण से होने वाले गंभीर विद्युत जोखिमों की जानकारी भी दी जा रही है। रेलवे को विद्युत आपूर्ति करने वाली 220 केवी ट्रैक्शन फीडर लाइन के नीचे और आसपास सुरक्षा मानकों के विपरीत बने निर्माण अभियान के प्रमुख केंद्र में हैं। ऐसे निर्माणों से लोगों की जान को खतरा हो सकता है। तेज हवा या अन्य कारणों से विद्युत तारों के झूलने की स्थिति में इनके समीप स्थित मकानों, दुकानों और अन्य संरचनाओं में दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। तारों के सीधे संपर्क के अलावा विद्युत आर्क से भी जानलेवा हादसा हो सकता है। नियमानुसार 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन के लिए दोनों ओर 27 मीटर तथा 220 केवी लाइन के लिए 35 मीटर का प्रतिबंधित कॉरिडोर निर्धारित है। इस क्षेत्र में जोखिमों से अवगत कराते हुए प्रतिबंधित कॉरिडोर में निर्माण नहीं करने तथा खतरनाक निर्माणों को हटाने के लिए कहा गया है। एमपी ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता आर.एस. पांडे एवं कार्यपालन अभियंता ए.पी.एस. चौहान के निर्देशन में शहडोल टीएलएम टीम द्वारा यह अभियान संचालित किया जा रहा है। शहडोल टीएलएम के सहायक अभियंता जगदीश असाटी सुरक्षा मानकों के विपरीत निर्माण करना गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। अनूपपुर की उज्ज्वल कॉलोनी, वार्ड क्रमांक 13 में श्री प्रेम अग्रवाल, चंद्रिका प्रसाद गुप्ता एवं अरविंद पाठक सहित संबंधित निर्माण स्वामियों को नोटिस जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त चेतना नगर कॉलोनी, वार्ड क्रमांक 11, अमरकंटक कॉलोनी, वार्ड क्रमांक 12 तथा वार्ड क्रमांक 9 के इंदिरा तिराहा क्षेत्र में ट्रैक्शन लाइन के नीचे बने निर्माणों के स्वामियों को भी समझाइश दी गई है। उन्हें विद्युत स्थानीय प्रशासन के सहयोग से पब्लिक एड्रेस सिस्टम, व्यक्तिगत संपर्क और नोटिस के माध्यम से लोगों को सुरक्षा नियमों की जानकारी दे रहे हैं। एमपी ट्रांसको ने नागरिकों से अपील की है कि वे ट्रांसमिशन लाइनों के प्रतिबंधित कॉरिडोर में किसी भी प्रकार का निर्माण न करें तथा निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करें। अभियान का उद्देश्य मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप संभावित विद्युत दुर्घटनाओं की रोकथाम और जनजीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

नाली की सफाई के बाद ढकना भूले खुले चैंबर दे रहे हादसों को न्योता



■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

शहर में नाली सफाई के बाद सुरक्षा के इंतजामों को लेकर जिम्मेदारों की लापरवाही सामने आई है। गुरु नानक स्कूल के सामने होटल दरबार के पास नाली की सफाई के बाद चैंबर खुले छोड़ दिए गए हैं। करीब 5 से 6 फीट गहरी नाली के खुले होने से यहां हादसे का खतरा बना हुआ है। नाली के आसपास सफाई के दौरान निकाली गई चैंबर की चिप्स भी बिखरी पड़ी हैं, जो राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बन रही हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कुछ दिन पहले यहां नाली की सफाई की गई थी। इस दौरान चैंबर के ढक्कन हटाए गए, लेकिन काम पूरा होने के बाद उन्हें दोबारा व्यवस्थित तरीके से नहीं लगाया गया। नाली खुली होने के कारण कचरा फिर से उसमें गिर रहा है, जिससे सफाई का उद्देश्य भी प्रभावित हो रहा है। सड़क किनारे खुले चैंबर और आसपास बिखरी चिप्स से राहगीरों, वाहन चालकों और स्कूल आने-जाने वालों के लिए खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने बताया कि खुले नाले को ढंकने के लिए उन्होंने अपने स्तर पर जाली लगवाई थी, लेकिन अज्ञात लोग उसे चोरी कर ले गए। इसके बाद से नाली फिर खुली पड़ी है। लोगों का कहना है कि इतनी गहरी नाली को खुला छोड़ना किसी बड़े हादसे को आमंत्रण देने जैसा है। क्षेत्रीय नागरिकों ने नगर निगम से मांग की है कि खुले चैंबरों को तत्काल ढंकवाया जाए और नाली के ऊपर मजबूत ढक्कन या जाली लगाई जाए, ताकि किसी तरह की दुर्घटना न हो। साथ ही सफाई के बाद हटाए गए ढक्कनों को दोबारा लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे नागरिकों को राहत मिल सके।

विश्वगुरू तथागत गौतम बुद्ध के वर्षा वास का समापन

जबलपुर। बोधिसत्व नागार्जुन महाविहार संघ घमापुर में, बौद्ध विहार संघ एवं बौद्ध विहार महिला मंडल के तत्वाधान में महाकारूणिक विश्वगुरू तथागत गौतम बुद्ध का 90 दिन का वर्षावास का समापन शरद पूर्णिमा पर हुआ। भन्ते चन्दपाणी ने विश्वगुरू तथागत गौतम बुद्ध एवं डॉ. बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा पर मोमबत्ती एवं अगरबत्ती प्रज्वलित की और पुष्प अर्पित किया। कार्यक्रम अध्यक्ष राजेश जनबन्धु, नन्दा पाटिल ने विश्वगुरू तथागत गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। और सचिव धर्मशील चाटे, सुत्रिता भोवते ने डॉ. बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। भन्ते चन्दपाणी ने परित्राण पाठ में जय मंगल सूत्र के बारे में कहा उपासक एवं उपासिकाओं को क्षमा शील होना, और आज्ञाकारी होना, और उपासक एवं उपासिकाओं को बौद्ध भिक्षुओं के दर्शन करना, उचित समय पर विश्वगुरू तथागत गौतम बुद्ध की धम्म चर्चा करना, उत्तम मंगल है। इस अवसर पर राजेश जनबधु, सिद्धार्थ उरकुडे, सुनील गजभिये, धर्मशील चाटे, कविता सहारे, सुत्रिता भवते, माधुरी पूणिमा वानखडे, सविता लोखडे, मनीषा, शायंका मेश्राम आदि उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट से सहकारिता विभाग के डिप्टी रजिस्ट्रार की अपील निरस्त, एकलपीठ का आदेश बरकरार

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश विवेक रूसिया व न्यायाधीश बीपी शर्मा की संयुक्तपीठ ने टीकमगढ़ के सहकारिता विभाग में पदस्थ निलंबित डिप्टी रजिस्ट्रार एसपी कौशिक की मुख्यमंत्री के निर्देश पर किए गए निलंबन के खिलाफ दायर अपील खारिज करते हुए उक्त मामले में एकलपीठ के आदेश को बरकरार रखा है। अपने आदेश में संयुक्तपीठ ने कहा कि मुख्यमंत्री राज्य के मुखिया के रूप में जनता के प्रति जवाबदेह हैं। लिहाजा उनके निर्देश पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी निलंबन आदेश को गलत नहीं ठहराया जा सकता। मामला 24 अगस्त 2026 को जारी निलंबन आदेश से संबंधित है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के टीकमगढ़ प्रवास के दौरान सहकारिता विभाग के कामकाज में लापरवाही और अनियमितताओं का मामला सामने आया था। इसे संज्ञान में लेते हुए मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारी के निलंबन के निर्देश दिए थे। जिस पर सक्षम अधिकारी ने डिप्टी रजिस्ट्रार एसपी कौशिक को निलंबित कर दिया। कौशिक ने निलंबन आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। मामले में एकलपीठ से राहत नहीं मिलने के बाद उन्होंने संयुक्तपीठ के समक्ष अपील प्रस्तुत की। इसमें 24 अगस्त 2026 के निलंबन आदेश को निरस्त करने की मांग की गई थी। मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता जान्हवी पंडित ने पक्ष रखा। संयुक्तपीठ ने एकलपीठ के आदेश को बरकरार रखते हुए उक्त अपील खारिज कर दी। प्राधिकारी द्वारा जारी निलंबन आदेश को गलत ठहराने से इनकार कर दिया।

अन्य विषयों में विशेष योग्यता रखने वाली छात्रा को अंग्रेजी में महज 39 अंक मिले

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश मनिंदर सिंह भट्टी की एकलपीठ ने दसवीं की परीक्षा में सभी विषयों में ?विशेष योग्यता हासिल करने वाली छात्रा को अंग्रेजी में महज 39 अंक देने के मामले में उत्तरपुस्तिका के दो स्वतंत्र मूल्यांकनों में 49 और 69 अंक दिए जाने की सिफारिश सामने आने पर माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) को संबंधित मूल्यांकनकर्ता से स्पष्टीकरण लेकर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही एकलपीठ ने मामले की अगली सुनवाई पांच नवंबर को नियत कर दी। प्रकरण के मुताबिक जबलपुर जिले के सिहोरा निवासी गौरवी गर्ग ने वर्ष 2023 में दसवीं की परीक्षा दी थी। उसे अन्य विषयों में ?विशेष योग्यता प्राप्त करने के बावजूद अंग्रेजी में महज 39 अंक मिले। गौरवी ने इस पर पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन किया परंतु अंकों में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसके बाद छात्रा ने उत्तरपुस्तिका प्राप्त कर उच्च न्यायालय में याचिका के माध्यम से चुनौती दी। दायर याचिका में आरोप लगाया गया कि कई प्रश्नों के सही उत्तर लिखने के बावजूद शून्य अंक दिए गए। मामले में आठ अक्टूबर 2026 को हुई पिछली सुनवाई में न्यायालय ने छात्रा की उत्तरपुस्तिका का टापर्स की कापियों से मिलान किया था। उपलब्ध विवरण के अनुसार, छात्रा के कई उत्तर टापर्स के उत्तरों से मिलते-जुलते या बेहतर होने के बावजूद कुछ प्रश्नों में शून्य अंक दिए गए थे। इसके बाद एकलपीठ ने उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन दो स्वतंत्र परीक्षकों से कराने के निर्देश दिए। स्वतंत्र परीक्षकों की रिपोर्ट में पहले परीक्षक ने 39 के स्थान पर 49 अंक और दूसरे ने 69 अंक दिए जाने की सिफारिश की। यानी मूल मूल्यांकन की तुलना में क्रमशः 10 और 30 अंक अधिक मिले। इन रिपोर्टों के आधार पर न्यायालय ने मूल्यांकन में गंभीर विसंगति पर सवाल उठाए। आधार सामने आए बिना केवल मूल्यांकन संबंधी मतभेद पर पुनर्मूल्यांकन का आदेश नहीं दिया जा सकता।

महिला स्व-सहायता समूहों के लिए क्षमता विकास प्रशिक्षण

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



नागरिक अधिकार मंच द्वारा गौरीघाट रोड स्थित शासकीय यूथ होटल रानीताल में आयोजित महिला स्व-सहायता समूह (एसएचजी) नेतृत्व क्षमता विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह एक दिवसीय कार्यशाला पूरी तरह से खेल और व्यावहारिक गतिविधियों पर आधारित रही। प्रशिक्षण के दौरान सहजकर्ता पूजा भुर्रक, द्वारा महिलाओं को मेरे सपनों का घड़ा, धागे का जाल और नकली बाजार जैसी रोचक गतिविधियों के माध्यम से टीम वर्क, कुशल नेतृत्व और पंचसूत्र का पाठ सिखाया गया। शिव कुमार द्वारा महिलाओं ने डमी बैंक काउंटर पर स्वयं ऋण लेनदेन और बही-खाता (लेजर बुक) लिखने का व्यावहारिक अभ्यास किया। साथ ही, विकास कुमार ने महिलाओं को अधिकारियों के समक्ष अपनी मांग रखने के तरीको को नाटक के मध्यम से बताया, शुभम चौधरी ने महिलाओं को अपने लीडर्स के निर्देश को मानने के लिए महिलाओं को आँख पट्टी बांधकर खेल के माध्यम से बताया और कहकशा ने महिलाओं को पुलिस में एफआईआर दर्ज कराने, सूचना के अधिकार तथा वार्ड स्तर पर अपनी समस्याओं के समाधान हेतु आवेदन लिखने की विधिक प्रक्रिया से अवगत कराया। इस अवसर पर कौशल कबीर, बृंदा चौधरी, नीतू चौधरी, स्वति ठाकुर, आरती ठाकुर, कमला कोल, सविता गोटिया, मनो कोल वर्षा चौधरी, रेशमा चौधरी, मधु चौधरी आदि महिला सदस्य उपस्थित रहे ।

महर्षि सुदर्शन वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का अभाव, आयोग ने निगमायुक्त से 1 सप्ताह में मांगा प्रतिवेदन

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



उपनगरीय क्षेत्र रांझी के महर्षि सुदर्शन वार्ड में मूलभूत सुविधाओं के अभाव और रहवासियों की परेशानियों को मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने गंभीरता से लिया है। मीडिया में प्रकाशित खबरों के आधार पर आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए इसे प्रथम दृष्टया मानव अधिकारों के हनन का मामला माना है। आयोग ने जबलपुर नगर निगम आयुक्त को मामले की जांच कराकर की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। वार्ड के रहवासियों को पेयजल, साफ-सफाई और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सुबह-शाम पीने के पानी के लिए जूझना पड़ता है। नालियों के ऊपर से पेयजल लाइन गुजरने के कारण स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था को लेकर भी चिंता बनी रहती है। वहीं, जगह-जगह कचरे के ढेर लगे होने से दुर्गंध फैल रही है और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड के भीतर कई स्थानों पर सड़कों की हालत खराब होने के कारण रहवासियों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पेयजल, सफाई और सड़क जैसी आवश्यक सुविधाओं की बदहाली से स्थानीय नागरिक परेशान हैं। इन समस्याओं को लेकर नगर निगम की व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के आधार पर आयोग ने जनहित में मामले का स्वतः संज्ञान लिया है।

शराब के लिए रूपए नहीं मिलने पर पड़ोसी ने दांत से काटा

जबलपुर। रांझी थाना अतंर्गत बड़ा पत्थर दुर्गा मंदिर के पास शराब पीने से रुपए नहीं देने की बात पर पड़ोसी ने एक युवक के साथ मारपीट कर दांत से काट दिया रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़ा पत्थर निवासी 38 वर्षीय नितिन वंशकार गत शाम 7.30 बजे बड़ा पत्थर दुर्गा मंदिर के पास खड़ा था, उसी समय पड़ोसी सुशील बेन आकर उससे शराब पीने के लिये 500 रूपये की मांग करने लगा, मना करने पर सुनील ने मारपीट कर दांत से उसके अंगूठे व दाढी में काट लिया व जान से मारने की धमकी दी।119(1), 351(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

एक महिला ने अपने पति के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



बेलबाग थाना अतंर्गत कदम तलैया में एक महिला ने अपने पति के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई है7बताया गया है कि आरोपी पति ने अपनी पत्नी को तीन तलाक बोलते हुए घर पर रहने से मना कर दिया बेलबाग पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार कदम तलैया निवासी 30 वर्षीय श्रीमति शबनम ने बेलबाग थाने में लिखित शिकायत की, कि उसका निकाह गत जनवरी 2025 को बड़ी मदार टेकरी खाई मोहल्ला निवासी इमरान से हुयी थी वर्तमान में वह 6 माह की गर्भवती है शादी के एक माह बाद से पति इमरान दूसरी लड़की के चक्कर में उसके साथ झगड़ा करता था7 गत 23 अक्टूबर को दोपहर में उसका पति आया और कमरे की चाबी की बात पर उसके साथ मारपीट करने लगा तथा मायके से कम दहेज नहीं मिलने की बात पर तीन बार तलाक कहते हुए उसे तलाक दे दिया तथा उसे घर में रहने से मना कर दिया पति दूसरी लड़की के चक्कर में तथा दहेज में मोटर सायकल न मिलने से लगातार प्रताड़ित किया है। पुलिस ने लिखित शिकायत पर आरोपी पति के खिलाफ धारा 85 बीएनएस तथा 3, 4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम एवं धारा 4 मुस्लिम महिला अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पारस की मौत से रांझी में आक्रोश, शव रखकर प्रदर्शन

आरोपियों के अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाने और मृतक के परिजनों को मुआवजा देने की मांग

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



रांझी के आजाद नगर गंदी बस्ती क्षेत्र में धार्मिक कार्यक्रम के दौरान हुई हिंसक वारदात में घायल पारस यादव की उपचार के दौरान मौत के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। मंगलवार को आक्रोशित क्षेत्रीय नागरिकों ने व्हीकल मोड़ पर शव रखकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के चलते रांझी के मुख्य मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। तनाव की स्थिति को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से चर्चा कर पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता दिलाने और मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रदर्शन के दौरान पूर्व पार्षद राजेश यादव और युवक कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव रोहित सैनी ने घटना पर नाराजगी जताते हुए मृतक के परिजनों को मुआवजा देने की मांग की। उन्होंने वारदात में शामिल आरोपियों के अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलाने और हमले में घायल अन्य लोगों को भी आर्थिक सहायता देने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि धार्मिक आयोजन के दौरान हुए विवाद में एक व्यक्ति की जान चली गई और कई लोग घायल हुए हैं। ऐसे में पीड़ित परिवारों को राहत देने के साथ आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। रांझी थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी ने बताया कि रविवार रात रांझी के आजाद नगर क्षेत्र में नवरात्रि के बाद भंडारे का आयोजन किया जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार से बाइक निकालने को लेकर कुछ युवकों और स्थानीय लोगों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि बाइक सवार युवक वहां से जाने के कुछ देर बाद अपने साथियों के साथ लाठी-डंडे और धारदार हथियार लेकर वापस पहुंचे। इसके बाद विवाद बढ़ गया और लोगों के साथ मारपीट शुरू कर दी गई। बीच-बचाव करने पहुंचे लोगों पर भी हमला किया गया। घटना में कई लोग घायल हुए, जिनमें कुछ को गंभीर चोटें आईं। हमले में सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण 50 वर्षीय पारस यादव को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा था, लेकिन सोमवार रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना में घायल रवि गोटिया, रागिनी गोटिया, पप्पू वर्मा, अनुज कोल, बिट्टू झरिया और मनीष गोटिया सहित अन्य लोगों का उपचार जारी है। पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपी समीर वंशकार सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तारी की कार्रवाई की है। पारस की मौत के बाद क्षेत्र में बढ़े आक्रोश को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारी और नगर निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने और मामले में आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रदर्शन के कारण बाधित यातायात और तनावपूर्ण स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस मौके पर तैनात रही।

एमपी टूरिज्म राज्य स्तरीय पर्यटन क्विज-2026 में बालाघाट की टीम बनी विजेता, दूसरे स्थान पर धार और तीसरे स्थान पर रहा सीधी

क्विज के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यटन के क्षेत्र में भविष्य संवारने का मिलेगा अवसरः मंत्री लोधी

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्यप्रदेश में पर्यटन के प्रति विद्यार्थियों की रुचि बढ़ाने और समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत से परिचित कराने के उद्देश्य से एमपी टूरिज्म बोर्ड द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय पर्यटन क्विज-2026 प्रतियोगिता का समापन कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में हुआ। प्रतियोगिता में बालाघाट के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, धार के पब्लिक स्कूल ने द्वितीय और सीधी के काशी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ने तृतीय स्थान हासिल कर अपने-अपने जिलों का मान बढ़ाया है। संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी ने विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार स्वरूप निःशुल्क टूर पैकेज के कूपन एवं मेडल प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से आयोजित प्रतियोगिता में प्रदेश के 53 जिलों से 24 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने सहभागिता की। राज्यमंत्री श्री लोधी ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में पर्यटन के प्रति विद्यार्थियों की रुचि बढ़ाने और उन्हें इस क्षेत्र में करियर के अवसरों से परिचित कराने के उद्देश्य से पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। क्विज के माध्यम से विद्यार्थी प्रदेश की ऐतिहासिक विरासत, समृद्ध संस्कृति और पर्यटन स्थलों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल



विद्यार्थियों में पर्यटन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ ही उनके ज्ञान और प्रतिभा को प्रोत्साहित करेगी। उन्होंने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थी अपने भविष्य को नई दिशा दे सकते हैं। सचिव पर्यटन एवं प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड डॉ. इलैयाराजा टी. ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि पर्यटन क्विज हमारी युवा पीढ़ी को प्रदेश की विरासत से जोड़ने के साथ-साथ उनके बेहतर भविष्य की नींव भी रखती है। जब विद्यार्थी अपने प्रदेश के ऐतिहासिक और प्राकृतिक धरोहरों को गहराई से समझते हैं, तो यह ज्ञान उनके लिए पर्यटन एवं ट्रैवल इंडस्ट्री में करियर निर्माण के नए रास्ते खोलता है। साथ ही विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाता है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रतिस्पर्धा (कम्पीटिशन) करना बेहद जरूरी है, जिससे उज्ज्वल करियर की संभावनाएं खुलती हैं। जीवन में कड़ी मेहनत और सही फोकस रखना सफलता की कुंजी है, जिससे हमारा आत्मविश्वास भी बढ़ता है। यहाँ मौजूद हर एक बच्चा मध्यप्रदेश का ब्रांड एंबेसडर है, क्योंकि हमारा प्रदेश अपनी अद्भुत संस्कृति और धरोहर के कारण दुनिया भर में विशेष स्थान रखता है। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के अपर प्रबंध संचालक डॉ. अभय अरविंद बेडेकर ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, अपनी प्रतिभा निखारने और प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया। डॉ. बेडेकर ने कहा कि पर्यटन को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने तथा विद्यार्थियों को प्रदेश की पर्यटन संपदा से जोड़ने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष राज्य स्तरीय पर्यटन क्विज का आयोजन किया जाता है। प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से 21 लाख से अधिक विद्यार्थी मध्यप्रदेश पर्यटन से जुड़ चुके हैं। पर्यटन क्विज विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के साथ उन्हें प्रदेश के ऐतिहासिक स्थलों, सांस्कृतिक परंपराओं, वन्यजीवों और प्राकृतिक धरोहरों के प्रति जागरूक करने का प्रभावी माध्यम बन रही है। एमपी टूरिज्म राज्य स्तरीय पर्यटन क्विज-2026 में जिला एवं राज्य स्तर से 24 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतियोगिता में प्रत्यक्ष सहभागिता की गई।

पात्र बालिकाओं को समय पर छात्रवृत्ति और परिपक्वता राशि का लाभ सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

युवा वर्ष 2027 में लाड़ली लक्ष्मी योजना से बेटियों की उच्च शिक्षा और आत्मनिर्भरता को मिलेगी नई दिशा

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा वर्ष 2027 को युवा वर्ष घोषित किए जाने के परिप्रेक्ष्य में प्रदेश की मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी बालिकाओं की उच्च शिक्षा, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि वर्ष 2007 में बालिका जन्म को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रारंभ हुई यह योजना अब बालिकाओं को शिक्षा के विभिन्न पड़ावों से आगे बढ़ाते हुए उच्च शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ रही है। प्रदेश की 54 लाख 32 हजार से अधिक पंजीकृत लाड़ली लक्ष्मीयों के लिए युवा वर्ष 2027 नई संभावनाओं और अवसरों का वर्ष होगा। मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया मंगलवार को विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, छात्रवृत्ति वितरण, पात्र हितग्राहियों को परिपक्वता राशि के भुगतान तथा लंबित प्रकरणों के निराकरण की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए योजना का



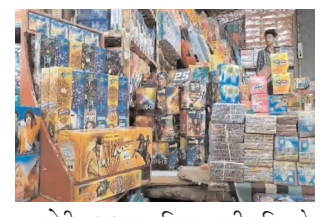
लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक समय पर पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा घोषित युवा वर्ष 2027 के दृष्टिगत बालिकाओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में विशेष प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के लिये वर्ष 2027 विशेष महत्व रखता है। योजना के प्रारंभिक वर्षों में पंजीकृत बालिकाएं अब 21 वर्ष की आयु पूरी करने की ओर अग्रसर हैं। वर्ष 2006 में जन्मी पात्र बालिकाएं वर्ष 2027 में 21 वर्ष की होंगी। निर्धारित शर्तें पूरी करने पर उन्हें एक लाख रुपये की एकमुश्त परिपक्वता राशि प्राप्त करने की पात्रता होगी। इस प्रकार युवा वर्ष 2027 बालिकाओं को शिक्षा के साथ आर्थिक संबल प्रदान करने का महत्वपूर्ण अवसर बनेगा। योजना के अंतर्गत कक्षा 12वीं की मुख्य परीक्षा में सम्मिलित होने तथा विवाह की स्थिति में निर्धारित न्यूनतम वैधानिक आयु का पालन करने जैसी पात्रता शर्तें लागू हैं। परिपक्वता राशि के भुगतान के लिए सुपरवाइजर, परियोजना अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी और कलेक्टर स्तर पर सत्यापन की व्यवस्था की गई है। मंत्री सुश्री भूरिया ने निर्देश दिए कि पात्र बालिकाओं के दस्तावेजों का सत्यापन समयबद्ध तरीके से किया जाए, जिससे भुगतान में अनावश्यक विलंब न हो। प्रदेश में मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत अब तक 54 लाख 32 हजार 45 बालिकाओं का पंजीयन किया जा चुका है।

लाड़ली लक्ष्मी योजना में आर्थिक सहायता बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार

योजना के अंतर्गत बालिकाओं को मिलने वाली वित्तीय सहायता में वृद्धि के प्रस्ताव भी तैयार किए गए हैं। वर्तमान में 1 लाख 43 हजार रुपये के आश्वासन प्रमाण-पत्र के स्थान पर 2 लाख रुपये का प्रावधान प्रस्तावित है। इसके साथ ही कक्षा छठवीं में छात्रवृत्ति 2 हजार से बढ़ाकर 5 हजार रुपये, नौवीं में 4 हजार से 8 हजार रुपये, 11वीं में 6 हजार से 10 हजार रुपये तथा 12वीं में 6 हजार से 12 हजार रुपये करने का प्रस्ताव है। इसी प्रकार उच्च शिक्षा प्रोत्साहन राशि 25 हजार से बढ़ाकर 40 हजार रुपये और 21 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर देय परिपक्वता राशि एक लाख से बढ़ाकर सवा लाख रुपये किए जाने का प्रस्ताव है। ये दरें अभी प्रस्तावित हैं और स्वीकृति के बाद ही प्रभावी होंगी।

बिजली ट्रांसफार्मर के नीचे या उससे सटाकर दुकान न लगाएं, पटाखा व आतिशबाजी में भी सावधानी बरतें

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों के विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे दीप पर्व पर विद्युत सुरक्षा एवं सावधानियां रखकर सुरक्षित दीपावली मनाएं। कंपनी ने सभी पटाखा व्यवसायियों से अपील की है कि वे बिजली लाइन के नीचे, ट्रांसफार्मर के नीचे या उससे सटाकर दुकान न लगाएं क्योंकि इससे दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है और छोटी सी असावधानी बड़ी दुर्घटना का रूप ले सकती है। कंपनी के नागरिकों ने अनुरोध किया कि वे पटाखे व आतिशबाजी का प्रदर्शन बिजली लाइनों के नीचे व आसपास न करें।

कंपनी ने कहा है कि दीपावली पर्व पर प्रकाशीय साज-सज्जा हेतु उपभोक्ता अपने परिसर में विद्यमान बिजली कनेक्शन से स्वीकृत भार के अनुसार ही बिजली का उपयोग करें। बिना स्वीकृति के अतिरिक्त भार की वृद्धि एवं सीधे तार डालकर विद्युत अनधिकृत उपयोग नहीं करें। बिजली चोरी अथवा बिना स्वीकृति के संयोजित भार में वृद्धि अवैधानिक है और इसके लिए बिजली अधिनियम 2003 में जुर्माने का प्रावधान है।

कंपनी ने मिठाई, मूर्तियां, साज-सज्जा, बर्तन व्यापारी, पटाखों की दुकाने एवं दीपावली पर्व से जुड़ी अन्य सामग्री के विक्रय हेतु लगाए जाने वाली अस्थाई दुकानों के प्रकाश व्यवस्था हेतु व्यापारी बंधुओं से अनुरोध किया है कि वे नियमानुसार अस्थाई कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें।अस्थाई दुकानों की स्थापना, बिजली ट्रांसफार्मरों एवं बिजली की लाइनों से सुरक्षित दूरी बनाकर ही स्थापित करें ताकि विद्युत दुर्घटनाओं से बचा जा सके । विद्युत उपभोग पकड़े जाने पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135, 138 के अंतर्गत कानूनी कार्यवाही करने के लिए कहा है।

मौसमी परिवर्तन और त्यौहारों पर समुचित चिकित्सा व्यवस्थाओं के लिए सीएमएचओ का दूसरे दिन दौरा

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

सर्दी के मौसम और त्योहारों के दौरान चिकित्सा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए सीएमएचओ भोपाल डॉ. मनीष शर्मा ने मंगलवार को क्षेत्रीय श्वसन रोग संस्थान और हमीदिया अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान अस्पताल अधीक्षक से चर्चा कर हमीदिया अस्पताल में भी श्वास और छाती संबंधित रोगों की ओ पी डी प्रतिदिन संचालित करने पर सहमति बनाई गई। त्योहारों में प्रदूषण के स्तर बढ़ने पर श्वास और छाती संबंधी रोगों की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इसे देखते हुए हमीदिया अस्पताल में भी श्वास और चेस्ट ओपीडी शुरू की जा रही है। यहां गांधी मेडिकल कॉलेज के पल्मोनरी विभाग की देखरेख में विशेषज्ञ चिकित्सक ड्यूटी रोस्टर निर्धारित कर सेवाएं उपलब्ध करवाएंगे। भ्रमण के दौरान सीएमएचओ ने हमीदिया अस्पताल के बर्न यूनिट की सेवाओं का भी निरीक्षण किया। इस यूनिट में त्योहारों के दौरान पटाखों से जलने के गंभीर मामलों के उपचार की सुविधाएं उपलब्ध रहेगी।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि आगामी दिनों में बर्न और रेस्पिरेटरी केसेज के बढ़ने की संभावना को देखते हुए जिले के अस्पतालों की



व्यवस्थाओं की समीक्षा की जा रही है।

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा संस्कृति भवन में आयोजित हुआ 'दास्ताने राम' का कार्यक्रम

उर्दू शायरों के कलाम के माध्यम से प्रस्तुत हुई मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन और आदर्शों की दास्तान

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग के तत्त्वावधान में मंगलवार को संस्कृति भवन, बाणगंगा चौराहा, भोपाल में 'दास्ताने राम' (दास्तानगोई) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माननीय धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग, मध्यप्रदेश शासन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि माननीय धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने अपने वक्तव्य में कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन मर्यादा, त्याग, कर्तव्य और लोककल्याण का



संदेश देता है। भारतीय संस्कृति की विशेषता यह है कि उसके आदर्श विभिन्न भाषाओं और साहित्यिक परंपराओं में अभिव्यक्त होते रहे हैं। उर्दू शायरों द्वारा श्रीराम के जीवन और चरित्र को अपनी रचनाओं में स्थान देना हमारी साझा सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक समरसता का महत्त्वपूर्ण उदाहरण है। ऐसे आयोजन साहित्य और कला के माध्यम से समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि उर्दू शेरो-अदब में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के प्रति प्रेम, श्रद्धा और सम्मान की समृद्ध परंपरा रही है। मौलाना ज़फ़र अली ख़ाँ, पंडित ब्रज नारायण चकबस्त और अनेक दूसरे शायरों एवं साहित्यकारों ने रामकथा और श्रीराम के आदर्शों को अपने साहित्य में अभिव्यक्त किया है। अकादमी 'दास्ताने राम' जैसी प्रस्तुतियों के माध्यम से उर्दू की समृद्ध परंपरा को जनसामान्य तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर दिल्ली की प्रख्यात प्रथम महिला दास्तानगो फ़ौज़िया एवं दास्तानगो रितेश यादव ने उर्दू शायरों के कलाम पर आधारित प्रभावशाली प्रस्तुति दी।

नवागत बॉन्ड डॉक्टर्स को उनके दायित्वों का विधिवत ओरिएंटेशन देने के निर्देश

ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाभाव के साथ स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करें बॉन्ड डॉक्टर्स : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने भोपाल स्थित निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सागर जिले में पदस्थ बॉन्ड डॉक्टर्स से संवाद किया। उन्होंने चिकित्सकों को ग्रामीण क्षेत्रों में पूरे मनोयोग, सेवाभाव और समर्पण के साथ स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करने का अनुभव चिकित्सकों को न केवल बेहतर डॉक्टर बनाएगा, बल्कि भविष्य में उनके व्यावसायिक जीवन में भी यह अनुभव अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सागर जिले में 61 बॉन्ड डॉक्टर्स की पदस्थापना की गई है। उनके पदस्थ होने से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। चिकित्सकों के आने से क्षेत्र के नागरिकों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों में आशा एवं उत्साह का वातावरण है। चिकित्सक अपने कार्य, व्यवहार और सेवाभाव से इस विश्वास को बनाए रखें तथा नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि सभी नवागत बॉन्ड डॉक्टर्स को उनके दायित्वों, कार्यप्रणाली और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावी संचालन के संबंध में व्यवस्थित ओरिएंटेशन दिया जाए। उन्हें स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं, जाँच सेवाओं, एम्बुलेंस व्यवस्था,



रेफरल प्रक्रिया तथा शासन के विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी जाए, ताकि वे अपने दायित्वों का प्रभावी निर्वहन कर सकें और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि चिकित्सक स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं और सेवाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुँचाने में भी सक्रिय भूमिका निभाएँ। नागरिकों को यह जानकारी होनी चाहिए कि उन्हें किस स्वास्थ्य केंद्र पर कौन-कौन सी सुविधाएँ मिल सकती हैं और आवश्यकता पड़ने पर वे किस प्रकार इनका लाभ प्राप्त कर सकते हैं। प मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बॉन्ड डॉक्टर्स को एनीमिया मुक्त भारत अभियान, टीबी मुक्त भारत अभियान तथा गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की स्क्रीनिंग सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन अभियानों की सफलता के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुँचाना और समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने चिकित्सकों से कहा कि वे अपने कार्यक्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी स्थानीय परिस्थितियों का अध्ययन करें। क्षेत्र में प्रचलित बीमारियों, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, उपचार में आने वाली बाधाओं तथा स्वास्थ्य संकेतकों की स्थिति को समझें। यदि स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन में कहीं कोई कमी, समस्या अथवा सुधार की आवश्यकता दिखाई देती है, तो उसे चिह्नित कर वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में लाएँ, ताकि समय पर आवश्यक कार्रवाई की जा सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी बनाने के लिए मैदानी अमले के साथ समन्वय अत्यंत आवश्यक है। बॉन्ड डॉक्टर्स सीएचओ, आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के साथ नियमित संवाद करें। स्थानीय स्तर पर आने वाली समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए समन्वित प्रयास करें।

संपादकीय

मां-बाप को तो बख्श दें

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने एक जनसभा के मंच से लगभग चीखते हुए कहा-मोदी तो क्या, मोदी का बाप भी जाएगा। साफ है कि प्रधानमंत्री मोदी को गाली दी गई है। प्रधानमंत्री के दिवंगत माता-पिता को अपशब्दों और उपहास का पात्र बनाया जाता रहा है। यह कौन-सी राजनीतिक मयार्दा और नैतिकता है? खडगे और उनकी पार्टी प्रधानमंत्री मोदी की धुर विरोधी है और उन्हें सत्ता से बाहर करने पर आमादा और आंदोलित हैं, लेकिन प्रधानमंत्री के मां-बाप का भी अपना सम्मान है। परिवार का सम्मान है। किसी को भी गाली देकर राजनीतिक लक्ष्य हासिल नहीं किए जा सकते। सत्ता पर किसी का भी पुश्तैनी अधिकार नहीं है। जो जनादेश है, उसी के मुताबिक सत्ता भी तय होती है। कांग्रेस को भी यह लोकतांत्रिक यथार्थ स्वीकार करना पड़ेगा। हमारी संस्कृति में दिवंगत दुश्मन के लिए भी अपशब्दों का इस्तेमाल नहीं किया जाता। कमोबेश 85 वर्षीय खडगे इस सांस्कृतिक मयार्दा और चरित्र को जानते होंगे! वह अत्यंत वरिष्ठ राजनीतिज्ञ हैं, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं, देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, ऐसे शख्स का मानसिक संतुलन कैसे बिगड़ सकता है? यदि वह एक आम कार्यकर्ता या व्यक्ति के कथन पर बौखला सकते हैं और देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री के बाप को गाली दे सकते हैं, तो उन्हें सभी पद त्याग कर राजनीतिक संन्यास ले लेना चाहिए। कमोबेश वह सार्वजनिक जीवन के योग्य नहीं रहे। जनसभा में से एक व्यक्ति ने कहा था कि जब तक विद्रोह नहीं होगा, तब तक मोदी जाने वाले नहीं हैं। इस पर खडगे उत्तेजित क्यों हो गए? प्रधानमंत्री के पिता को गाली क्यों दे दी? सीधा-सा सवाल है। खडगे ने गुजरात चुनाव के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी को 100 सिर वाला रावण करार दिया था। चुनाव नतीजे देश के सामने हैं। यह लोकतंत्र की भाषा भी नहीं है। भारत केला गणतंत्र देश नहीं है। लोकतंत्र में इस तरह न तो किसी को सत्ता के बाहर किया जा सकता है और न ही किसी गालीबाज को सत्ता हासिल हो सकती है। इस तरह कांग्रेस के बड़े नेता ही पार्टी की बबार्दी पर तुले हैं।

ऐसे ही बड़े नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी को राक्षस, यमराज, भस्मासुर, सांप, बिच्छू, बंदर, अनपढ़, चायवाला आदि अपशब्दों से अपमानित करने की कोशिशें की थीं। उनकी गरीबी का मजाक उड़ाया था। मोदी को मौत का सौदागर तक सोनिया गांधी ने कहा था। गुजरात में 1995 के बाद कांग्रेस विधानसभा और लोकसभा चुनावों में लगातार पराजित पार्टी रही है। कांग्रेस प्रवक्ता एवं पैरोकार इन गालियों के संदर्भ में दलीलें देते रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने भी जर्सी गाय, 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड, युवराज सरीखे अपशब्दों का इस्तेमाल किया था। तो क्या कांग्रेस अब बदले की राजनीति करेगी और उसी के सहारे सत्ता हासिल करेगी? कांग्रेस ही इस सवाल का जवाब दे सकती है अथवा आत्मचिंतन कर सकती है, लेकिन हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि मोदी ने वे शब्द तब कहे थे, जब वह प्रधानमंत्री नहीं थे, बल्कि संसदीय चुनाव के लिए प्रधानमंत्री उम्मीदवार जरूर घोषित किए गए थे। हम मोदी के अपशब्दों की भी भत्र्सना करते हैं, उन्हें खारिज करते हैं। राजनीति में एक भी अपशब्द की गुंजाइश नहीं है। वह वैचारिक और राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता है, कट्टर दुश्मनी नहीं है, क्योंकि सदन में साथ-साथ बैठ कर देश और राज्य के लिए काम करना है। मोदी द्वारा बोले गए शब्द भी लोकतंत्र पर धब्बों की तरह चिपक गए हैं। अब गौरतलब यह है कि कांग्रेस 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली करने पर आमादा है। पार्टी 10 लाख लोगों की भीड़ की हुंकार भर रही है। मैदान की क्षमता 58-60,000 लोगों की है। वहां 1 लाख तक की भीड़ ठूंसी जा सकती है। अंदेशा यह है कि उस रैली में राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन खडगे ने किसी विशेष स्थल तक मार्च करने का आह्वान किया, तो राजधानी अस्त-व्यस्त हो जाएगी। एक लाख का हुजूम भी सडकों पर बिखर गया, तो प्रधानमंत्री आवास-दफ्तर, चुनाव आयोग मुख्यालय, गृहमंत्री का आवास, मुख्य चुनाव आयुक्त का आवास, संसद भवन, सर्वोच्च अदालत सरीखे अति महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील स्थल भी सुरक्षित नहीं माने जा सकते। उन स्थितियों में पुलिस, सुरक्षा बल भीड़ को नियंत्रित करेंगे या बल-प्रयोग भी किया जाएगा? लिहाजा कांग्रेस को भी जिम्मेदार दल होना चाहिए।

फर्जी खबरों की बाढ़ पहचान कैसे करें

मधुरेंद्र सिन्हा
(स्वतंत्र लेखक)

> सोशल मीडिया पर सैकड़ों छोटे-छोटे चैनल हैं जो खबरें परोसते हैं। उन सभी का एक ही उद्देश्य होता है, अधिक से अधिक व्यू लेना। वे इसके लिए जाल बुनते हैं, खबरों को सनसनीखेज बनाते हैं और चटकारे लेने के अंदाज में या चौंकाने वाले अंदाज में उन्हें पेश करते हैं। कुछ चैनल ह्यशूट एंड स्कूटह्ल के जरिये व्यूज बटोरते हैं। इसमें कोई झूठी खबर फैला दी जाती है और बाद में उसे हटा दिया जाता है। तब तक वह खबर वायरल हो जाती है और यूट्यूबर अथवा चैनल चलाने वाले का मकसद पूरा हो जाता है।

इन दिनों पत्रकारों के लिए भी यह पता लगाना मुश्किल होता जा रहा है कि कौनसी खबर सही या प्रामाणिक है और कौन फर्जी। कई बार तो सच्ची खबरें ऐसी लगती हैं कि फर्जी हैं जबकि फर्जी खबरें असली लगती हैं। इसका कारण यह है कि वे दिमाग पर तेजी से असर डालती हैं, उनमें चौंकाने वाले तत्व होते हैं और वे लिखी भी ग्रा ढंग से जाती हैं। ऐसी खबरों के कारण समाचार पत्रों के संपादकों को यह समस्या होती है कि वे उन्हें पहचानें कैसे? कौनसी खबर फर्जी या झूठी है, यह जानना कठिन हो जाता है। पाठक के लिए तो ये खबरें बिल्कुल प्रामाणिक सी लगती हैं और वे उन पर सहज विश्वास भी कर लेते हैं। ऐसी खबरें काफी समय तक प्रामाणिक या सच बनकर मीडिया के ब्रह्मांड में घूमती रहती हैं और उस विषय से संबंधित सच्ची खबरों की काफी समय तक उपेक्षा की जाती रहीं। ऐसा नहीं है कि यह स्थिति भारत में ही है, बल्कि सारी दुनिया इस बीमारी से जूझ रही है और असल तथा नकल में पहचान करना मुश्किल होता जा रहा है। ये खबरें इतनी विश्वसनीय ढंग से पेश की जाती हैं कि उन्हें सच्चा मानना ही पड़ता है। इससे समाज को बहुत नुकसान होता है, विश्वसनीयता का संकट खड़ा हो जाता है।

कोरोना काल में हमने देखा कि हजारों समाचार हमारे सामने आ रहे थे और हम जाने-अनजाने में उन पर विश्वास कर रहे थे। अखबारों, टीवी चैनलों, न्यूज वेबसाइटों के लिए बड़ी संकटपूर्ण स्थिति थी। उस दौरान जब हालात ऐसे नहीं थे कि संवाददाता बाहर निकल कर हमेशा रिपोर्टिंग करे, तो ऐसे में चारों ओर से फर्जी खबरें आ रही थीं। उन्हें प्रमाणित मान लिया जाता था और उस पर सभी आंखें मूंदकर विश्वास कर लेते थे। यूट्यूब के जमाने में तो यह बीमारी और भी बढ़ गई है। खबरों को बढ़ा-चढ़ा कर पेश करना तो आम बात हो गई है। ऐसे विश्वास और लहजे में खबरें पेश की जा रही हैं कि उन्हें सच मानना ही पड़ता है। लेकिन जब सच्चाई पता चलती है तब तक देर हो चुकी होती है। कोरोना काल में ऐसी स्थिति से निबटने के लिए तीन संस्थाओं ने हाथ मिलाया और कुछ नुस्खे भी पेश किए क्योंकि उन्हें लग रहा था कि इनसे जान का संकट पैदा होने लगा है।

ये संस्थाएं थीं- ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, थॉमसन रॉयटर्स, आईएमसी और यूनिसेफ। पहली दोनों संस्थाओं ने कुछ फॉमूर्ले बताए और खबरों, खासकर स्वास्थ्य संबंधी खबरों की सच्चाई जानने के लिए मानक तैयार किया जिन पर उतर कर ही कोई खबर प्रमाणिक मानी जा सकती थी। यूनिसेफ ने जो बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य से जुड़ी हुई है, इसका प्रचार-प्रसार किया। इन्हें क्रिटिकल ऐप्रेजल स्किल्स (सीएएस) कहा गया। हालांकि ये स्वास्थ्य संबंधी खबरों के लिए तैयार किए गए थे, लेकिन इनका उपयोग आम समाचारों के लिए भी किया जा सकता है और किया भी जा रहा है। दरअसल ये बहुत तार्किक ढंग और समझदारी से बनाए गए हैं जिनमें व्यावहारिकता है। कोई भी फॉमूर्ला अगर व्यावहारिक न हो तो वह सफल नहीं होगा।

समाचार का स्रोत क्या है : खबरों की जांच करने के लिए पहला कदम होना चाहिए, उसके स्रोत की खोज। खबरें किस तरह से आ रही हैं, कहां से आ रही हैं और क्या उसके साथ कोई सार्थक नाम भी है? अगर खबर के स्रोत का पता चल जाता है तो फिर उसकी सच्चाई भी उजागर हो जाती है। वह खबर किसी समाचार एजेंसी की है या फिर किसी जाने-माने समाचार पत्र-पत्रिका या टीवी चैनल की है तो फिर बात बन जाएगी। खबर के स्रोत का ध्यान रखना जरूरी है। इसी से उसकी प्रामाणिकता की जांच होती है। सोशल मीडिया पर सैकड़ों छोटे-छोटे चैनल हैं जो खबरें परोसते हैं। उन सभी का एक ही उद्देश्य होता है, अधिक से अधिक व्यू लेना। वे इसके लिए जाल बुनते हैं, खबरों को सनसनीखेज बनाते हैं और चटकारे लेने के अंदाज में या चौंकाने वाले अंदाज में उन्हें पेश करते हैं। कुछ चैनल शूट एंड स्कूट के जरिये व्यूज बटोरते हैं। इसमें कोई झूठी खबर फैला दी जाती है और बाद में उसे हटा दिया जाता है। तब तक वह खबर वायरल हो जाती है और यूट्यूबर अथवा चैनल चलाने वाले का मकसद पूरा हो जाता है। किसी जमाने में इस तरह की खबरें पेश करने वालों को अच्छी निगाहों से नहीं देखा जाता था और ऐसी पत्रकारिता को पीत पत्रकारिता कहते थे। ऐसी खबरों पर यकीन करने के पहले उसके स्रोत को जरूर जान लें। ये किसी खास मंशा से परोसी जाती हैं। कोरोना काल में ऐसी सैकड़ों खबरें फैलाई जा रही थीं जिनका सच्चाई से कोई लेना-देना नहीं था। कई दवाइयों के नाम फैलाये जा रहे थे और कहा जा रहा था कि इनसे कोरोना रुक सकता है या मरीज ठीक हो सकता है। इसमें बाबा रामदेव की दवा कोरोनिल भी थी जिसके लिए उन्हें काफी लानत-मानत झेलना पड़ा था। प्राकृतिक आपदा के उस कठिन समय में यह साबित करना बड़ा मुश्किल था कि यह खबर सच्ची है या फिर ये दवा अच्छी है। तरह-तरह के दावे पेश किए जा रहे थे और समाचार पत्रों के लिए सच का पता लगाना कठिन होता जा रहा था। लेकिन उस समय भी कई समाचार पत्रों ने बहुत बढ़िया कार्य किया और दूध का दूध, पानी का पानी कर दिखाया।

उन्होंने सोशल मीडिया पर छाई हुई खबरों को सही ढंग से समझा और फर्जी खबरों तथा दावों को उजागर किया। खबरों को पढकर स्वविवेक से भी थोड़ा बहुत जाना जा सकता है कि इसमें सच्चाई कितनी है। सोशल मीडिया पर बहुत सी खबरें फ्लैशी होती हैं। थोड़े से प्रयास से पता चल जाता है कि ये फर्जी हैं और किसी उद्देश्य विशेष से परोसी गई हैं। व्यूज लेने के अलावा सोशल मीडिया में अपना एजेंडा चलाने के आतुर लोग भी खबरें डालते हैं। इसमें राजनीतिक दल के लोग, उनके समर्थक और पेड यूट्यूबर बड़ी संख्या में शामिल हैं। अभी हाल ही में एक खुलासा हुआ जिसमें यूपी के एक बड़े नेता के पक्ष में इंस्टाग्राम में संबंधित खबरें चलाने के लिए कई सोशल मीडिया हैंडलर ने अपनी-अपनी फीस बता दी। इससे यह तो पता चल गया कि सोशल मीडिया पर ज्यादातर सामग्री पेड है। इसकी खबरों पर विश्वास करना जोखिम भरा हो सकता है। वहां पक्षपातपूर्ण खबरें भी हैं और पेड खबरें भी हैं। बड़ी मासूमियत से लिखी हुई खबरें भी हैं जो सीधे दिमाग में उतर जाती हैं।

नफरत के निशाने पर इनसानियत

सिकंदर बंसल

दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला ने रंगभेद की व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष किया। इस व्यवस्था में अश्वेत बहुसंख्यक आबादी को राजनीतिक अधिकारों और सार्वजनिक जीवन में गंभीर असमानताओं का सामना करना पड़ता था। मंडेला ने 27 वर्ष जेल में बिताए। वर्ष 1990 में उनकी रिहाई हुई और 1994 में वे दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने, जिन्हें लोकतांत्रिक चुनाव में चुना गया था। उन्होंने राजनीतिक परिवर्तन के बाद राष्ट्रीय मेल-मिलाप पर भी जोर दिया। उनका अनुभव बताता है कि भेदभावपूर्ण व्यवस्था को बदलने के लिए संघर्ष के साथ न्यायपूर्ण संस्थाओं और राजनीतिक इच्छाशक्ति की भी आवश्यकता होती है।



मंडेला ने 27 वर्ष जेल में बिताए। वर्ष 1990 में उनकी रिहाई हुई और 1994 में वे दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने, जिन्हें लोकतांत्रिक चुनाव में चुना गया था। उन्होंने राजनीतिक परिवर्तन के बाद राष्ट्रीय मेल-मिलाप पर भी जोर दिया। भारत की पहचान उसकी सांस्कृतिक विविधता और लोकतांत्रिक मूल्यों से है। यहां अलग-अलग भाषाएं बोलने वाले, विभिन्न परंपराओं का पालन करने वाले और भिन्न शारीरिक बनावट वाले लोग एक साझा राष्ट्रीय पहचान के साथ रहते हैं। इसके बावजूद किसी व्यक्ति को उसके चेहरे, रंग, भाषा या क्षेत्रीय पहचान के कारण अपमानित करने की घटनाएं बताती हैं कि सामाजिक समानता का संवैधानिक आदर्श अभी पूरी तरह व्यवहार में नहीं उतर पाया है। दिल्ली में त्रिपुरा के एक युवक के साथ कथित नस्लीय दुर्व्यवहार का हालिया मामला इसी समस्या को सामने लाता है। अक्टूबर 2026 में सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो के बाद दिल्ली पुलिस ने संबंधित कंटेंट क्रिएटर को गिरफ्तार किया। मामले में आरोपों की न्यायिक पुष्टि होना अभी अलग विषय है, लेकिन इस घटना ने पूर्वोत्तर के लोगों के प्रति पूर्वाग्रह और लोकप्रियता के लिए अपमानजनक सामग्री बनाने की प्रवृत्ति पर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने भी इसके खिलाफ कड़ा संज्ञान किया है कि आखिर पूर्वोतर लोगों के साथ ऐसा क्यों होता है। सोशल मीडिया ने आम लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया है, लेकिन व्यूज और फॉलोअर्स की प्रतिस्पर्धा में कुछ लोग दूसरों की गरिमा को मनोरंजन का साधन बना लेते हैं। किसी व्यक्ति की आंखों, नाक, रंग या भाषा का मजाक उड़ाकर वीडियो बनाना केवल हास्य का प्रश्न नहीं है।

ऐसी सामग्री से संबंधित व्यक्ति की प्रतिष्ठा और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकते हैं। किसी वीडियो को मजाक या स्क्रिप्टेड बताने से उसके नैतिक पहलुओं का प्रश्न समाप्त नहीं हो जाता। साथ ही किसी वायरल वीडियो के आधार पर बिना जांच के किसी को दोषी ठहराना भी उचित नहीं है। आवश्यकता ऐसी डिजिटल संस्कृति की है, जिसमें स्वतंत्र अभिव्यक्ति के साथ दूसरों के सम्मान और निजता का भी ध्यान रखा जाए। भारत में पूर्वोत्तर के नागरिकों के विरुद्ध भेदभाव की समस्या नई नहीं है। वर्ष 2014 में अरुणाचल प्रदेश के 19 वर्षीय छात्र नीडो तानिया की दिल्ली में मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया था। लाजपत नगर में उनके रूप-रंग और हेयरस्टाइल का मजाक उड़ाए जाने के बाद विवाद बढ़ा और उनके साथ मारपीट हुई। अगले दिन उनकी मृत्यु हो गई। वर्ष 2019 में इस मामले में चार लोगों को दोषी ठहराया गया। दिसंबर 2025 में त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की देहरादून में हमले के बाद मृत्यु ने भी चिंता बढ़ाई। उनके परिवार ने नस्लीय टिप्पणियों का आरोप लगाया था, हालांकि इस पहलू पर अलग-अलग दावे सामने आए। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करना शासन और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। भारतीय संविधान इस विषय पर स्पष्ट आधार प्रदान करता है। अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष समानता और कानूनों के समान संरक्षण की गारंटी देता है। अनुच्छेद 15 कुछ निर्दिष्ट आधारों पर भेदभाव को प्रतिबंधित करता है, जबकि अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करता है। अनुच्छेद 19 अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सहित कुछ मौलिक स्वतंत्रताएं प्रदान करता है, जो संवैधानिक प्रतिबंधों के अधीन हैं। अनुच्छेद 51 नागरिकों का मूल कर्तव्य बताता है कि वे धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय विविधताओं से ऊपर उठकर सद्भाव तथा भाईचारे की भावना को बढ़ावा दें। फिर भी संविधान में समानता का प्रावधान होना और समाज में समानता स्थापित होना दो अलग बातें हैं। विश्व इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जब महान व्यक्तित्वों को भेदभाव का सामना करना पड़ा और उन्होंने अपने अधिकारों के लिए लंबा संघर्ष किया। अमरीका के नागरिक अधिकार आंदोलन के प्रमुख नेता मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने नस्लीय भेदभाव के विरुद्ध अहिंसक संघर्ष का नेतृत्व किया। बीसवीं शताब्दी के मध्य में अमरीका के अश्वेत नागरिकों को सार्वजनिक परिवहन, विद्यालयों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर नस्लीय अलगाव का सामना करना पड़ता था। वर्ष 1963 में वाशिंगटन में दिए गए उनके ऐतिहासिक भाषण ने समानता और न्याय की मांग को व्यापक पहचान दिलाई। उन्हें धमकियों और गिरफ्तारियों का सामना करना पड़ा।

वर्ष 1964 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिला, लेकिन 1968 में उनकी हत्या कर दी गई। उनका संघर्ष बताता है कि भेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाना केवल किसी एक समुदाय का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र की विश्वसनीयता का प्रश्न है। रोजा पार्क्स का उदाहरण भी महत्वपूर्ण है। दिसंबर 1955 में अमरीका के मोंटगोमरी शहर में उन्होंने बस में एक श्वेत यात्री के लिए अपनी सीट छोड? से इनकार कर दिया। उस समय सार्वजनिक परिवहन में नस्लीय अलगाव लागू था। उनकी गिरफ्तारी के बाद मोंटगोमरी बस बहिष्कार आंदोलन शुरू हुआ, जिसने नागरिक अधिकार आंदोलन को नई दिशा दी। रोजा पार्क्स के कदम ने दिखाया कि अन्यायपूर्ण व्यवस्था को चुनौती देने के लिए किसी बड़े पद या शक्ति की आवश्यकता नहीं होती। एक नागरिक का साहस भी व्यापक सामाजिक परिवर्तन की शुरूआत बन सकता है।

दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला ने रंगभेद की व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष किया। इस व्यवस्था में अश्वेत बहुसंख्यक आबादी को राजनीतिक अधिकारों और सार्वजनिक जीवन में गंभीर असमानताओं का सामना करना पड़ता था। मंडेला ने 27 वर्ष जेल में बिताए। वर्ष 1990 में उनकी रिहाई हुई और 1994 में वे दक्षिण अफ्रीका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बने, जिन्हें लोकतांत्रिक चुनाव में चुना गया था। उन्होंने राजनीतिक परिवर्तन के बाद राष्ट्रीय मेल-मिलाप पर भी जोर दिया। उनका अनुभव बताता है कि भेदभावपूर्ण व्यवस्था को बदलने के लिए संघर्ष के साथ न्यायपूर्ण संस्थाओं और राजनीतिक इच्छाशक्ति की भी आवश्यकता होती है। ब्रिटेन में स्टीफन लॉरेंस का मामला नस्लीय हिंसा और न्यायिक जवाबदेही का महत्वपूर्ण उदाहरण है। वर्ष 1993 में 18 वर्षीय अश्वेत युवक की लंदन में नस्लीय हमले के दौरान हत्या कर दी गई। प्रारंभिक पुलिस जांच में गंभीर कमियां सामने आईं। उनकी मां डोरेन लॉरेंस ने वर्षों तक न्याय के लिए अभियान चलाया। जांच ने पुलिस व्यवस्था में संस्थागत नस्लवाद और जांच संबंधी विफलताओं पर बहस शुरू की।

न्यूज ब्रीफ

सम्पत्तिकर विभाग के अधिकारियों के दायित्व बदले

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने कार्यसुविधा एवं प्रशासनिक दृष्टि से सम्पत्तिकर विभाग में विभिन्न अधिकारियों के दायित्व में फेरबदल किया है। जिसमें अपर आयुक्त सम्पत्तिकर सम्पूर्ण नगरीय क्षेत्र का दायित्व टी प्रतीक राव सौंपा है। निगम आयुक्त श्री चौधरी द्वारा जारी आदेश अनुसार प्रभारी उपायुक्त सम्पत्तिकर दक्षिण विधानसभा सुनील चौहान, प्रभारी उपायुक्त सम्पत्तिकर ग्वालियर विधानसभा उत्तम जखेनिया, प्रभारी उपायुक्त सम्पत्तिकर पूर्व विधानसभा रजनीश गुप्ता और प्रभारी उपायुक्त सम्पत्तिकर ग्रामीण विधानसभा मुकेश बंसल को बनाया गया है। इसके साथ ही नामांतरण व्यवस्था में परिवर्तन करते हुए 5 हजार वर्ग फुट तक के नामांतरण सम्बंधित विधानसभा क्षेत्र के सम्पत्तिकर उपायुक्त करेंगे एवं इनके अपीलीय अधिकारी अपर आयुक्त सम्पत्तिकर रहेंगे।

गंदगी फैलाने वालों से वसूला 17500 का जुर्माना

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर के स्वास्थ्य विभाग द्वारा बार-बार समझाने के बाद भी सड़क पर कचरा फैकने एवं गंदगी फैलाने से नही मानने वालो के खिलाफ निरंतर जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को 17500रू. का जुर्माना गंदगी फैलाने वालों पर लगाया गया। स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के तहत् नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त टी प्रतीक राव के निर्देषन में आज मंगलवार को वार्ड क्रमांक 33, वार्ड क्रमांक 37, वार्ड क्रमांक 46, वार्ड क्रमांक 40 एवं वार्ड क्रमांक 54 के दुकानदारों द्वारा सड़क पर गंदगी फैलाने पर नगर निगम की एसटीएफ टीम द्वारा दुकानदारों पर 12000 का लगाया जुर्माना लगाया गया। कार्यवाही के दौरान एसटीएफ प्रभारी श्री सोनू दौदेरिया, श्री धर्मेंद्र धीरज धौलपुरिया, श्री लव पारूचे, श्री जावेद खान, श्री रिक्की करोसिया, एवं आईसी टीम एवं डब्ल्यूएचओ श्री मिथुन राणा, श्री रवि गोहर, श्री संतोष सरवन उपस्थित रहें।

ट्रेड लाइसेंस में प्रगति नहीं होने पर 20 राजस्व कर संग्रहकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

ग्वालियर। राजस्व वसूली समीक्षा के दौरान ट्रेड लाइसेंस नहीं बनाये जाने एवं पुराने ट्रेड लाइसेंस का नवीनीकरण लक्ष्य के अनुरूप नहीं करने पर पर 20 राजस्व कर संग्रहकों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। नोडल अधिकारी राजस्व सतेन्द्र भदौरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि आयुक्त नगर निगम अभिषेक चौधरी द्वारा साप्ताहिक समीक्षा के दौरान लक्ष्य के अनुरूप नवीन टेउड लाइसेंस नहीं बनाये जाने एवं पुरानी ट्रेड लाइसेंस का नवीनीकरण लक्ष्य के अनुरूप नहीं करने पर नाराजगी व्यक्त की गई। 20 राजस्व करसंग्रकों को नोटिस जारी किया गया है।

क्षेत्रीय अधिकारियों के प्रभार में फेरबदल किया गया

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने कार्यसुविधा एवं प्रशासनिक दृष्टि से क्षेत्र अधिकारियों के कार्य प्रभार में फेरबदल किया है। निगमायुक्त श्री चौधरी द्वारा जारी आदेशानुसार उपयंत्री श्री उत्पल सिंह भदौरिया को क्षेत्राधिकारी एवं सहभवन निरीक्षक क्षेत्र क्र 17, उपयंत्री संजीव कुमार झा को क्षेत्राधिकारी एवं सहभवन निरीक्षक क्षेत्र क्र 01 एवं उपयंत्री विषाल गर्ग को क्षेत्राधिकारी एवं सहभवन निरीक्षक क्षेत्र क्र 08 (क) बनाया गया है।

शीतला माता मंदिर के समीप हुई दुर्घटना की जाँच जारी

ग्वालियर। ग्वालियर में विगत 18 अक्टूबर की रात शीतला माता मंदिर के मुख्य द्वार पर ट्रक दुर्घटना के कारण हुई जनहानि के कारणों की जाँच के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने अपर जिला दण्डाधिकारी सी बी प्रसाद को जाँच अधिकारी नियुक्त किया है। जाँच अधिकारी द्वारा जाँच प्रारंभ कर दी गई है। जाँच अधिकारी सी बी प्रसाद ने उपरोक्त घटना के संबंध में कहा है कि कोई भी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष व्यक्ति जिसका प्रकरण में प्रत्यक्ष रूप से हित निहित न हो, साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहता हो, वह दिनांक 28 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अपर जिला दण्डाधिकारी के न्यायालय में कक्ष क्रमांक-201 में उपस्थित होकर साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है।

चुनाव आयोग के खिलाफ वामदल का हल्लाबोल

निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर लोकतंत्र, संविधान एवं मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा को लेकर लगातार प्रांतीय और राष्ट्रीय स्तर पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन चलाया जा रहा है । इसी क्रम में नई दिल्ली स्थित पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय अजय भवन आई टी ओ रोड से रैली निकालकर मानव श्रृंखला का आव्हान किया था। जिसके तहत आज आंदोलन में दिल्ली और उसके आसपास के उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा,कश्मीर,के सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने वोट चोर गद्दी छोड़, ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो के गगन नारों के साथ आई टी वो रोड स्थित पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय अजय भवन से बहादुर शाह रोड तक रैली निकाल कर प्रमुख मार्ग पर मानव श्रृंखला बनाकर सभा आयोजित की गई। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मध्य प्रदेश राज्य कार्यकारिणी सदस्य



कॉमरेड कौशल शर्मा एडवोकेट ने जानकारी देते हुए बताया कि आज रैली एवं मानव श्रृंखला का नेतृत्व राष्ट्रीय महासचिव कॉम डी राजा, राष्ट्रीय सचिव कॉम गिरीश शर्मा,कॉम अमरजीत कौर, कॉम रामकृष्ण पंडा, कॉम टी संतोष कुमार, कॉम एनी राजा, कॉम रामकृष्ण, कॉम पल्लव सेन गुप्ता, कॉम दिनेश वार्ष्णेव, कॉम कौशल शर्मा एडवोकेट ,कॉम विवेक शर्मा ने किया। लोकतंत्र में जनता सर्वोच्च है और उसका सबसे महत्वपूर्ण अधिकार उसका वोट है। चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और निर्वाचन संस्थाओं की विश्वसनीयता लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की भागीदारी और उसके मत की स्वतंत्रता सर्वोपरि है। चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता को लेकर उठ रहे सवालों पर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात जनता के सामने रखना व्यक्ति और राजनीतिक दलों का मौलिक अधिकार है। दिल्ली रैली एवं मानव श्रृंखला में ग्वालियर मध्य प्रदेश से पार्टी के राज्य कार्यकारिणी सदस्य कॉम कौशल शर्मा एडवोकेट,कॉम अनवर खान , कॉम प्रकाश वर्मा, कॉम आनंद ठाकुर, कॉम भूपेश पलरिया के अलावा पार्टी के हजारों वरिष्ठ नेता , पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं महिला पुरुषों ने भाग लिया।

महापौर डॉ शोभा सतीश सिंह सिकरवार के अध्यक्षता में बैठक आयोजित

बैठक में शहर विकास के संबंध में चर्चा कर लिये गये अनेक निर्णय

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

मेयर इन काउंसिल की बैठक महापौर डॉ शोभा सतीश सिंह सिकरवार के अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में शहर विकास के संबंध में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर निर्णय लिये गये। बाल भवन में आयोजित बैठक में मेयर इन काउंसिल के सदस्य श्री अवधेश कौरव, नाथूराम ठेकेदार, श्रीमती प्रेमलता जैन, श्रीमती मोनिका शर्मा, श्रीमती संध्या कुषवाह, श्रीमती उपासना यादव, श्रीमती गायत्री मण्डेलिया, विनोद यादव माठू, नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी, अपर आयुक्त प्रदीप तोमर, मुनीष सिंह सिकरवार, अपर आयुक्त वित्त श्री अरविंद शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें। बैठक में वार्ड क्र 1 लगायत 60 तक के वार्डो में कार्यरत मानदेय पंप चालकों की वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 की समय वृद्धि प्रदान करने के सम्बंध में प्राप्त प्रस्ताव पर चर्चा उपरांत प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।

बैठक में श्री पवन सिंघल सहायक यंत्री, तत्कालीन प्रभारी कार्यपालन यंत्री एवं श्री सुरेश अहिरवार सहायक यंत्री, तत्कालीन प्रभारी कार्यपालन यंत्री के विरूद्ध विभागीय जांच संस्थित किये जाने के सम्बंध में निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत प्रतिवेदन को निरस्त करने का



निर्णय लिया गया।

बैठक में बजट वर्ष 2026-27 के बजट लेखा शीर्ष में राशि पुनर्विनियोजन किये जाने के संबंध में निगमायुक्त के प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत प्रकरण को स्वीकृति प्रदान कर निगम परिषद के लिये अग्रेषित किया गया। बैठक में नगर निगम ग्वालियर में संचालित स्वयं के एवं अनुबंधित वाहनों के लिये ईंधन डीजल, पेट्रोल एवं सीएनजी शासकीय संस्थानों 02 रीं वाहिनी विसबल ग्वालियर, 14वीं वाहिनी विसबल ग्वालियर एवं 13वीं वाहिनी विसबल ग्वालियर से लिये जाने की स्वीकृति के सम्बंध में निगमायुक्त का प्रकरण पर चर्चा उपरांत स्वीकृति प्रदान कर निगम परिषद के लिये अग्रेषित किया गया। बैठक में राजीव आवास योजनान्तर्गत हितग्राही संख्या 02 के आवास परस्पर आपसी सहमति से आवास परिवर्तन के अनुमोदन के सम्बंध में निगमायुक्त का प्रतिवेदन पर चर्चा उपरांत प्रस्ताव निरस्त किया गया।बैठक के दौरान सड़कों के डामरीकरण, बेहतर पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था में सुधार और जलभराव की समस्या से निपटने के लिए ड्रेनेज सिस्टम को मजबूत करने जैसे प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। शहर के सौंदर्यकरण और नए पार्कों के निर्माण से जुड़े प्रस्तावों को भी सर्वसम्मति से पारित किया गया।

कॉलेज में जन सुरक्षा और युवा सृजन संवाद, एसपी ने किया छात्रों से संवाद



■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

शासकीय श्रीमंत स्नातकोत्तर महाविद्यालय शिवपुरी में उच्च शिक्षा विभाग एवं मध्य प्रदेश पुलिस विभाग के तत्वाधान में जन सुरक्षा एवं युवा सृजन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिवपुरी पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया ने मुख्य अतिथि के तौर पर सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर पुलिस अधीक्षक एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. पवन कुमार श्रीवास्तव द्वारा माल्यार्पण कर किया गया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी चॉइस के हिसाब से ही उनके भविष्य की रूपरेखा बनती है, अतः अपने भविष्य को सुदृढ़ करने के लिए विद्यार्थियों की सकारात्मक पहल ही फायदेमंद साबित होती है।

कार्यक्रम में थाना यातायात इंस्पेक्टर गायत्री इटोरिया ने विद्यार्थियों को अपने अधिकारों एवं कर्तव्य को बताते हुए कर्तव्यों का पालन करने की सलाह दी और यातायात के नियमों के प्रति जागरूक रहने एवं सामान्य दिनचर्या में हेलमेट के उपयोग की सलाह दी। पुलिस सूबेदार भानु प्रताप सिंह ने सामाजिक अवेयरनेस कार्यक्रम की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए हमेशा अनुशासन में रहकर अपने सपनों को पूरा करने और बड़ों से सलाह लेकर जीवन यापन करने की सलाह दी। कार्यक्रम का संचालन राजनीतिक विज्ञान की सहायक प्राध्यापक डॉ. शालिनी राय द्वारा किया गया। इसमें महाविद्यालय के विद्यार्थी, एनसीसी एवं एनएसएस के स्वयंसेवकों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।

जिले में रसोई गैस के दुरुपयोग को रोकने के लिये विशेष अभियान जारी



ग्वालियर। जिले में रसोई गैस का दुरुपयोग रोकने के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर मंगलवार को शहर में विभिन्न स्थानों पर खाद्य विभाग के दल द्वारा छापामार कार्रवाई की गई। विभाग के दल द्वारा फूलबाग चौपाटी, गुरुद्वारा चौपाटी एवं गुड़ा गुड़ी नाके पर स्थित सात अलग-अलग प्रतिष्ठानों से 20 घरेलू गैस सिलेंडर जप्त किये हैं। जिला आपूर्ति नियंत्रक अरविंद भदौरिया से प्राप्त जानकारी के अनुसार खाद्य विभाग के दल द्वारा किए गए निरीक्षण के समय फूलबाग चौपाटी, गुरुद्वारा चौपाटी के प्रतिष्ठानों से घरेलू सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग कर पकवान तैयार कर बेचे जा रहे थे। इसी तरह गुड़ा गुड़ी के नाके के 02 प्रतिष्ठानों से घरेलू सिलेंडरों से 5 किलो के छोटे सिलेंडरों में रिफिलिंग कर व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था। इस कार्रवाई के दौरान जब्त किए गए सभी 20 घरेलू सिलेंडरों को अनंत गैस एजेंसी की सुपुर्दगी में दिया गया है । सभी संबंधितों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

दीपावली से पूर्व करें सभी सड़कों की सफाई

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने विभागीय प्रकरणों की समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य विभाग से अधिकारियों को निर्देषित किया कि दीपावली से पहले शहर की सभी प्रमुख सड़कों की सफाई सुनिष्चित करें। सड़क पर कही भी धूल कचरा नहीं मिलना चाहिए साथ ही नालियों की भी सफाई करें। इसके लिये वार्डवार विषेष टीम बनाये और प्रतिदिन की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। साथ ही सभी क्षेत्राधिकारी अपने क्षेत्र में सफाई कर्मचारियों की रैंडमली अटेंडेंस ले।निगम मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान अपर आयुक्त प्रदीप तोमर, मुनीष सिकरवार, अपर आयुक्त वित्त अरविंद शर्मा, उपायुक्त डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, मुकेश बंसल, उत्तम जखेनिया, रजनीश गुप्ता, अधीक्षण यंत्री सुरेश अहिरवार सहित सभी कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री एवं नोडल अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में निगमायुक्त श्री चौधरी ने सबसे पहले पेंच वर्क कार्य की समीक्षा की।

डम्फर संचालकों को बैठक लेकर दिए गए निर्देश

खनिज पदार्थों का परिवहन करने वाले वाहनों में अनिवार्यत : लगाने होंगे आरएफ टैग

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

जिले में खनिज पदार्थों के परिवहन में संलग्न सभी वाहनों में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अनिवार्यतः आरएफ टैग लगवाने के निर्देश दिए हैं। इस क्रम में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी विक्रमजीत सिंह कंग ने डम्फर संचालकों की बैठक लेकर शेष सभी वाहनों में जल्द से जल्द आरएफ टैग लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन इस कार्य को लेकर गंभीर है, इसलिये आरएफ टैग लगवाने में कोई ढ़िलाई न हो, अन्यथा प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई की जायेगी। ज्ञात हो आरएफ टैग एक ऐसा छोटा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण होता है जो रेडियो तरंगों का उपयोग कर वाहन की पहचान और ट्रैकिंग करता है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी विक्रमजीत सिंह कंग ने बताया कि बैठक में डम्फर यूनियन के अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि जिले में अब तक 300 वाहनों में आर एफ टैग लगवाए जा चुके हैं। शेष अन्य वाहन स्वामियों से भी अतिशीघ्र आरएफ टैग लगवाने के लिये कहा गया है। बैठक में जानकारी दी गई कि आरएफ टैग से संबंधित जानकारी खनिज विभाग की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। जिले में खनिज पदार्थों के अवैध परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने और खनिज



वाहनों की सख्त निगरानी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। प्रशासन की ओर से आयोजित बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि खनिज पदार्थों का परिवहन करने वाले सभी वाहनों में अनिवार्य रूप से 'रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन' टैग लगाने होंगे। बैठक में उपस्थित डंपर और परिवहन संचालकों को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने कहा कि बिना आरएफ टैग के संचालित होने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वाहनों में आरएफ टैग लगाने से खनिजों की चोरी, ओवरलोडिंग और बिना रॉयल्टी पास के होने वाले अवैध परिवहन पर पूरी तरह से लगाम लगेगी।

किसानों को फसल अवशेष न जलाने की समझाइश, धान कटाई के बाद उपलब्ध कृषि यंत्रों से सीधे बोनी करने की दी जानकारी

जिले में चौपाल लगाकर किसानों को पराली व नरवाई प्रबंधन के लिए किया जा रहा जागरूक

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर जिले में नरवाई एवं धान की पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से चौपाल लगाकर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इस क्रम में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर जिला स्तर से गठित दलों द्वारा मंगलवार को विभिन्न ग्रामों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान चौपाल लगाकर पिछले वर्ष नरवाई एवं पराली जलाने की घटनाओं से प्रभावित ग्रामों में पहुंचकर किसानों को फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करने तथा खेतों में आग नहीं लगाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक कृषि यंत्री तथा विभाग के अधिकारियों ने नरवाई प्रबंधन पर प्रशिक्षण भी दिया। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री भानु प्रकाश शर्मा ने बताया कि जागरूकता अभियान के दौरान किसानों को बताया गया कि धान की कटाई के बाद खेत में बचे फसल अवशेषों को जलाना भूमि की उर्वरता, पर्यावरण और कृषि उत्पादन की दृष्टि से नुकसानदायक है।



नरवाई जलाने से मिट्टी में उपलब्ध जैविक पदार्थ एवं लाभकारी सूक्ष्मजीव प्रभावित होते हैं। इसके अतिरिक्त धुएं से वायु प्रदूषण बढ़ता है तथा आग अनियंत्रित होने पर आसपास की फसलों, पेड़-पौधों और अन्य संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचने की आशंका रहती है। धान कटाई के बाद उपलब्ध कृषि यंत्रों से सीधे बोनी करने की सलाह अभियान के दौरान किसानों को जिले में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के कृषि यंत्रों एवं फसल अवशेष प्रबंधन तकनीकों की जानकारी दी गई। किसानों को समझाया गया कि धान की कटाई के बाद खेत में उपलब्ध नमी, मिट्टी की स्थिति तथा आगामी फसल की आवश्यकताओं के अनुसार उपयुक्त कृषि यंत्रों का उपयोग कर बिना पराली जलाए अगली फसल की बोनी की जा सकती है।किसानों को हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, जीरो टिलेज सीड ड्रिल तथा उपयुक्त सीड-कम-फर्टिलाइजर ड्रिल जैसे कृषि यंत्रों की उपयोगिता के बारे में बताया गया। इन यंत्रों का चयन खेत में बचे फसल अवशेषों की मात्रा, मिट्टी की स्थिति तथा बोई जाने वाली फसल के अनुरूप किया जाना चाहिए। इनके समुचित उपयोग से खेत की अनावश्यक जुताई में कमी लाने, उपलब्ध नमी का बेहतर उपयोग करने तथा समय पर अगली फसल की बोनी करने में सहायता मिलती है।



अली अब्बास जफर की फिल्म में गैंगस्टर बनेंगे अहान पांडे

यशराज बैनर की फिल्म 'सैयारा' से चर्चा में आए अभिनेता अहान पांडे अब अपने दूसरे बड़े प्रोजेक्ट के अंतिम चरण की शूटिंग में पहुंच गए हैं। इंडस्ट्री सूत्रों के अनुसार, निर्देशक अली अब्बास जफर की अनाम रोमांटिक-एक्शन फिल्म का करीब दो महीने लंबा यूनाइटेड किंगडम (यूके) शेड्यूल पूरा हो चुका है। इस दौरान फिल्म के कई अहम ड्रामेटिक सीक्वेंस और तीन बड़े गानों की शूटिंग की गई। फिल्म में अहान के साथ शरवरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

तीन बड़े गानों पर रहा खास फोकस

सूत्रों के अनुसार...'यूके शेड्यूल में फिल्म के तीन बड़े गानों की शूटिंग की गई। इनमें एक सोलो गीत पूरी तरह अहान पांडे के किरदार पर आधारित है, जिसे बर्मिंघम के टाउन हॉल इलाके में फेस्टिवल जैसे माहौल के बीच फिल्माया गया। इस गाने में बड़ी संख्या में डांसर्स और स्थानीय कलाकार शामिल हुए। वहीं, अहान और शरवरी पर दो रोमांटिक गानों की शूटिंग बर्मिंघम, कोवेंट्री, पेनरिथ और कार्लाइल की खूबसूरत लोकेशनों पर हुई।

गैंगस्टर बनने की यात्रा पर आधारित कहानी

फिल्म की कहानी को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक यह सिर्फ एक गैंगस्टर फिल्म नहीं होगी। कहानी एक ऐसे युवा की यात्रा दिखाएगी, जो परिस्थितियों के चलते अपराध की दुनिया में कदम रखता है।

फिल्म में मेंटॉर की भूमिका निभाएंगे बॉबी देओल

फिल्म में बॉबी देओल का किरदार कहानी का अहम आधार होगा। बताया जा रहा है कि उनका पात्र अहान पांडे के किरदार को अपने संरक्षण में लेकर अपराध की दुनिया में आगे बढ़ाता है। यानी वह एक प्रभावशाली मेंटॉर के रूप में नजर आएंगे, जो कहानी की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं, ऐश्वर्य ठाकरे फिल्म के मुख्य विलेन की भूमिका में दिखाई देंगे।



कार्तिक की 'डोरोथी' में लीड रोल प्ले करेंगी कीर्ति सुरेश

निर्देशक कार्तिक सुब्बाराज ने अपनी फिल्म 'डोरोथी' का ऐलान कर दिया है। इस फिल्म में कीर्ति सुरेश मुख्य भूमिका निभाएंगी। फिल्म 25 सितंबर को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी। कार्तिक ने सोशल मीडिया पर फिल्म की घोषणा करते हुए बताया कि 'डोरोथी' उनके दिल के बेहद करीब है और वह इसे कई वर्षों से बनाना चाहते थे। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म का म्यूजिक इलैयाराजा तैयार कर रहे हैं। वह इसके गाने और बैकग्राउंड स्कोर दोनों की जिम्मेदारी संभालेंगे। फिल्म में कीर्ति के अलावा सनंत और ऋषिकांत भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि, मेकर्स ने अभी फिल्म की कहानी और बाकी स्टार कास्ट से जुड़ी जानकारी साझा नहीं की है। कार्तिक की पिछली फिल्म 'रेट्रो' थी, जिसमें सूर्या और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म में जयराम, जोजू जॉर्ज और नासर ने भी अहम किरदार निभाए थे। यह फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। अब यह फिल्म कार्तिक के निर्देशन में बनने वाली 10वीं फिल्म होगी। इसके जरिए कीर्ति सुरेश एक नई कहानी के साथ दर्शकों के सामने नजर आएंगी।

विजय देवरकोंडा संग नजर आएंगी कीर्ति

कीर्ति सुरेश हाल ही में फिल्म 'रिवॉल्वर रीटा' में नजर आई थीं। अब वह विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म 'राउडी जनार्धना' में दिखाई देंगी, जो दिसंबर में रिलीज होगी।



फाउंड फुटेज फॉर्मेट में होगी वीर की 'बारा नंबर' की कहानी

कॉमेडियन और एक्टर वीर दास ने अपनी दूसरी डायरेक्टोरियल फिल्म 'बारा नंबर' की शूटिंग पूरी कर ली है। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जिसे फाउंड फुटेज फॉर्मेट में बनाया गया है। इस फॉर्मेट में कहानी कैमरे से मिले फुटेज के जरिए आगे बढ़ती है। फिल्म में वीर डायरेक्टर और प्रोड्यूसर के साथ-साथ एक्टर के तौर पर भी नजर आएंगे। फिल्म को नरेश मलिक, जेफ लाजरस और कौशिक श्रीनिवासन की थर्ड फ्रेम स्टूडियो, कविता गुप्ता और विर की जाजू प्रोडक्शंस ने को-प्रोड्यूस किया है। कवी शास्त्री क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं। फिल्म में शीबा चड्ढा, सुहैल नय्यर, अरुणोदय सिंह, अहसास चन्ना, अतुल कुलकर्णी, निहारिका लायरा दत्त, श्रिया पिलगांवकर, पूजा सरूप और नवीन कौशिक समेत कई कलाकार हैं। फिल्म की कहानी फाउंड फुटेज के जरिए आगे बढ़ेगी। इसमें कैमरे से रिकॉर्ड हुए फुटेज को कहानी का हिस्सा बनाया गया है। फिल्म का फोकस किरदारों की मनोवैज्ञानिक स्थिति और उनके आसपास होने वाली घटनाओं पर रहेगा। इस फॉर्मेट के चलते फिल्म में पारंपरिक शूटिंग स्टाइल के बजाय कैमरा खुद कहानी का हिस्सा नजर आएगा। वीर ने बताया कि इस फिल्म को बनाना उनके लिए अलग अनुभव रहा। उनके मुताबिक, फाउंड फुटेज फॉर्मेट में कलाकारों को भी अपने अभिनय में स्वाभाविकता बनाए रखने पर काम करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म में सभी कलाकारों ने इस अलग तरह की कहानी पर काम करने के लिए प्रयोग किए। शूटिंग पूरी होने के बाद अब फिल्म एडिटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में जाएगी। बता दें कि वीर को पिछली बार फिल्म 'हैप्पी पटेल...' में देखा गया था। इस फिल्म को भी उन्होंने डायरेक्ट किया था।



रोशन मैथ्यू के साथ एक रोमांटिक कॉमेडी में दिखेंगी सिमर भाटिया

श्रीराम राघवन की 'इक्कीस' से बॉलीवुड डेब्यू करने वालीं सिमर भाटिया अब अपने दूसरे प्रोजेक्ट के साथ फिर बड़े परदे पर दिखेंगी। बता दें कि सिमर, अक्षय कुमार की बहन अलका भाटिया की बेटी हैं। जानकारी के मुताबिक, सिमर इस बार मलयालम एक्टर रोशन मैथ्यू के साथ एक अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी में नजर आएंगी। यह फिल्म एक इमोशनल और कैरेक्टर-ड्रिवन लव स्टोरी होगी। फिल्म का डायरेक्शन अधिराज बोस संभालेंगे, जो इस फिल्म से अपना फीचर डायरेक्शन डेब्यू कर रहे हैं। इन्होंने 'एक थी डायन' और 'तलवार' जैसी फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया हैं। इस रोमांटिक ड्रामा को आयुष माहेश्वरी अपने बैनर बीएलएम पिक्चर्स के तहत प्रोड्यूस करेंगे, जो पहले 'धक धक', 'लूप लपेटा' और 'यारियां 2' जैसी फिल्मों को प्रोड्यूस कर चुका है। फिल्म की शूटिंग नवंबर में शुरू होगी और मेकर्स की प्लानिंग है कि अगले साल के मध्य में इसे थिएटर्स में रिलीज किया जाए।

दूसरी ओर, रोशन जल्द ही 'ट्रायल बाय फायर' के डायरेक्टर प्रशांत नायर की नई स्कैम-थ्रिलर सीरीज 'जॉब ट्रैफिकिंग' में भी दिखेंगे, जो अमेजन प्राइम वीडियो पर अगले साल की शुरुआत में रिलीज होने की उम्मीद है। इससे पहले रोशन मलयालम सिनेमा में 'सी यू सून', 'मूथोन' और हाल ही में आई 'उयिर' जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बना चुके हैं।



हिट देने के प्रेशर को पॉजिटिव रूप से देखता हूं

दिग्गज निर्देशक राजकुमार हिरानी इस साल अपनी पहली वेब सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' लेकर आए। इसकी सफलता, ओटीटी के बदलते मिजाज आदि पर उन्होंने खास बातचीत की...

क्या सोचा था कि पहला ओटीटी प्रोजेक्ट इतना सफल रहेगा?

ओटीटी को लेकर सालों से माना जाता रहा है कि यहां गंभीर और क्राइम जैसी कहानियां ज्यादा चलती हैं। इसलिए जब हम इसे लिख रहे थे तो शुरुआत में लगा कि फिल्म की तरह जल्दी जल्दी कहानी कह रहे हैं। मन में इसे लेकर शंका थी, लेकिन जब सीरीज को अच्छे नंबर मिलने लगे तो तसल्ली हुई कि हमारा रास्ता सही है। हमारा मानना है कि अगर कहानी दिल से लिखी जाए तो वह दर्शकों को जरूर पसंद आती है।

सीरीज बनने के लिए आपने इसी विषय को क्यों चुना?

जब कोई कहानी नई लगती है तो उसे कहने की इच्छा होती है। साइबर क्राइम पर कई फिल्में देखी थीं, लेकिन उनमें सिर्फ ऊपरी बातें दिखाई गई थीं। पहली बार पता चला कि किसी क्राइम को तकनीकी तरीके से कैसे सुलझाया जाता है। जैसे सीरीज में एटीएम चोरी के मामले को साइबर तकनीक की मदद से ट्रैक करने की पूरी प्रक्रिया दिखाई गई है। यही बात मुझे रोचक लगी और लगा कि फ्रॉड पकड़ने की ऐसी कहानी ओटीटी के लिए ज्यादा सही है, सिनेमा के लिए नहीं।

'प्रीतम एंड पेड्रो' को कॉमेडी के साथ जोड़ने का विचार कैसे आया?

कहानी कहने के कई तरीके होते हैं और उनमें कॉमेडी सबसे दिलचस्प तरीका है। साइबर क्राइम जैसे गंभीर विषय पर पहले से काफी कंटेंट बन रहा था, इसलिए मैंने इसे थोड़ा हल्का और मजेदार रखना चाहा। इसमें एक तरफ साइबर क्राइम की कहानी है, तो दूसरी तरफ दो दोस्तों की भी, जिनमें एक कंप्यूटर नहीं जानता और दूसरा क्राइम ब्रांच। मुझे वैसे भी हंसाने वाली कहानियां ज्यादा पसंद हैं।

क्या आप हमेशा एक हिट फिल्म देने का प्रेशर महसूस करते हैं?

जब भी कोई फिल्म बनती है, हम चाहते तो यही हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग उसे पसंद करें। लिखने के दौरान वो विचार तो बना ही रहता है और इसी वजह से स्क्रिप्ट के साथ अधिक से अधिक समय बिताते हैं और यह कोई निगेटिव प्रेशर नहीं है, इसको मैं पॉजिटिव रूप से देखता हूं और आजकल हर तरह की चीज लोग देख चुके हैं तो बतौर फिल्ममेकर हमारी कोशिश दर्शकों को कुछ अलग तरह का कंटेंट देने की रहती है।



डालिंब में जितेंद्र कुमार का रहस्यमयी अवतार

कहानी में दिखेगा मनोविज्ञान और आस्था का खेल

'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार का एक नया प्रोजेक्ट ओटीटी पर दस्तक देने की तैयारी में है। यह साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'डालिंब' है, जो सीधे श्वश्वर पर रिलीज होगी। मराठी में 'डालिंब' का अर्थ अनार होता है, हालांकि यह एक हिंदी भाषी फिल्म है। इसमें जितेंद्र के साथ प्रिया बापट भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी मुंबई की एक बहुमंजिला इमारत में सेट है, जहां एक बच्चे के अचानक गायब होने के बाद रहस्य की परतें खुलनी शुरू होती हैं।

जितेंद्र-बुल्लू का नहीं होगा 'पंचायत' जैसा टकराव

फिल्म में जितेंद्र के साथ उनके 'पंचायत' के साथी कलाकार बुल्लू कुमार भी हैं। सूत्रों के मुताबिक, बुल्लू और जितेंद्र इसमें एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं बल्कि दोनों अपने-अपने किरदार और कहानी के हिस्से के मुताबिक आगे बढ़ते हैं। यहां दोनों के बीच 'पंचायत' जैसी नोक-झोंक नहीं होगी।

'डालिंब' की कहानी का मुख्य बैकड्रॉप मुंबई की एक हाई-राइज बिल्डिंग है। टीजर में भी बच्चे के गायब होने और उसके बाद पैदा होने वाले तनाव की झलक दिखाई गई है। मेकर्स ने कहानी के बड़े हिस्से को अभी छिपाकर रखा है। इसे सिर्फ बच्चे की तलाश वाली कहानी मानना सही नहीं होगा। इसे साइकोलॉजिकल थ्रिलर के तौर पर पेश किया जा रहा है। इस कहानी में कई ऐसे प्लॉट और सस्पेंस हैं जो चौंकाएंगे।

सूत्रों से हुई बातचीत में फिल्म के बारे में एक और दिलचस्प संकेत मिला। 'डालिंब' में आस्था का पहलू भी देखने को मिल सकता है। सूत्र ये भी कहते हैं कि आस्था और मनोविज्ञान का यह मेल 'डालिंब' को पारंपरिक क्राइम थ्रिलर से अलग बनाता है।

कहानी में रहस्य तो है, लेकिन इसके साथ इंसानी सोच और विश्वास को भी जगह दी गई है। यही कारण है कि फिल्म को 'रमन राघव 2.0' या 'असुर' जैसी पारंपरिक मर्डर मिस्ट्री के साथ सीधे जोड़ना ठीक नहीं होगा। 'डालिंब' का ट्रीटमेंट इससे अलग बताया जा रहा है।

'पंचायत' के सचिव जी के तौर पर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले जितेंद्र के लिए 'डालिंब' एक अलग तरह का प्रयोग है। उनका किरदार फिल्म में काफी लेयर्ड है और इसे उनकी स्थापित कॉमिक इमेज से अलग रखने की कोशिश की गई है। 'डालिंब' उन्हें एक ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। साथ ही हाई-राइज बिल्डिंग का सेटअप इस कहानी की अहम जरूरत है। प्रिया और जितेंद्र पहली बार इस तरह की साइकोलॉजिकल थ्रिलर में साथ दिखाई देंगे। 'डालिंब' में जितेंद्र और बुल्लू की मौजूदगी 'पंचायत' के दर्शकों के लिए जरूर एक कनेक्शन बनाएगी। सूत्रों ने बताया कि 'डालिंब' में बुल्लू एक सिक्योरिटी गार्ड की भूमिका निभा रहे हैं। उनका किरदार उत्तर भारत से आया हुआ है और मुंबई की उस बिल्डिंग में सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ा है, जहां फिल्म की पूरी कहानी घटती है। यह किरदार इसलिए भी अहम हो जाता है क्योंकि कहानी का बड़ा हिस्सा इसी बिल्डिंग के भीतर है।

प्रिया एवेन करेंगी निर्देशन में डेब्यू, अधिकतर शूट मुंबई में ही हुआ है

'डालिंब' के जरिए प्रिया एवेन फीचर फिल्म निर्देशन में कदम रख रही हैं। उन्होंने कहानी को एक सीमित लोकेशन के भीतर रखते हुए किरदारों और उनके मनोविज्ञान पर फोकस किया है। बच्चे के गायब होने के साथ शुरू होने वाला यह रहस्य धीरे-धीरे वहां रहने वाले हर किरदार की जिंदगी को अपनी चपेट में लेता चला जाता है। फिल्म की शूटिंग का ज्यादातर हिस्सा मुंबई में ही शूट किया गया है।

अपर कलेक्टर ने नगर पालिका भिण्ड के सफाई दरोगाओं की ली बैठक

दीपावली पूजन से पहले भिण्ड शहर से आवारा मवेशियों को गौशालाओं में पहुंचाने की तैयारी

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



भिण्ड शहर की मुख्य सड़कों और व्यस्त बाजारों में घूम रहे आवारा मवेशियों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने दीपावली से पूर्व ठोस कार्रवाई शुरू की है। अपर कलेक्टर श्री राजन बी नाडिया ने नगर पालिका भिण्ड के सफाई दरोगाओं की बैठक लेकर शहर से मवेशियों को सुरक्षित चिह्नित नजदीकी गौशालाओं में पहुंचाने की व्यवस्था तय की है। बैठक में शहर के नजदीक तीन गौशालाएं चिह्नित की गई। इनमें भारौली रोड़ स्थित ग्राम बबेड़ी गौशाला और जामना रोड़ स्थित ग्राम नुन्हाटा गौशाला में 100-100 गायों की क्षमता है, जबकि हाट किले के पास स्थित गौशाला में 50 गायों की क्षमता है। इन गौशालाओं में मवेशियों को सुरक्षित रखा जाएगा। अपर कलेक्टर ने प्रत्येक गौशाला के लिए अलग-अलग दल गठित किए हैं। जिसमें हाट किले के पास वाली गौशाला के लिए दल प्रभारी श्री मोनू दरोगा मो. 7987790395 तथा सहायक के रूप में श्री महेश मेट, श्री शैलेन्द्र दरोगा, श्री सुग्रीव दरोगा को नियुक्त किया गया है। बबेड़ी गौशाला के लिए दल प्रभारी श्री भागीरथ दरोगा मो. 9039792372 तथा सहायक के रूप में श्री सुरेश दरोगा, श्री आनंद दरोगा, श्री धर्मेन्द्र दरोगा, श्री नीरज दरोगा को नियुक्त किया गया है। नुन्हाटा गौशाला के लिए दल प्रभारी श्री अमरदीप मो. 6260402172 तथा सहायक के रूप में श्री राकेश दरोगा, श्री रघुवीर दरोगा, राजकुमार दरोगा को नियुक्त किया गया है। ताकि रात्रि के समय भी मवेशियों को सुरक्षित रूप से गौशालाओं तक पहुंचाया जा सके।

श्री नाडिया ने शहर के नक्शे के माध्यम से सभी दलों को रूट प्लान समझाया और निर्देश दिए कि वे अपनी टीम के साथ बैठक कर समय निर्धारित करें। नगर पालिका सीएमओ को रस्सी, टॉर्च, डंडे, रेडियम जैकेट तथा चारा वाहन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। अपर कलेक्टर श्री राजन बी नाडिया ने कहा कि दीपावली से पूर्व तीन दिवस में शहर के सभी आवारा मवेशियों को चिह्नित गौशालाओं में पहुंचाना प्रत्येक दल प्रभारी की जिम्मेदारी होगी। जिस क्षेत्र से गायें मिलेंगी, वहां के दल प्रभारी उन्हें सुरक्षित पहुंचाने के लिए उत्तरदायी रहेंगे। अन्यथा संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा और मवेशियों के जीवन की रक्षा दोनों ही सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। दीपावली के दौरान सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और शहर को सुरक्षित बनाने की दिशा में प्रशासन की सकारात्मक पहल है।

आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि गौशालाओं में मवेशियों के लिए पर्याप्त चारे, पीने के पानी और चिकित्सा व्यवस्था की समीक्षा की जाए। इसके साथ ही पशुपालकों से अपील की गई है कि वे अपने पालतू मवेशियों को सड़कों पर खुला न छोड़ें। यदि किसी का पालतू मवेशी सड़क पर पाया जाता है, तो संबंधित मालिक के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करते हुए भारी जुर्माना वसूला जाएगा। नगर निगम की कैचिंग टीम को शहर के सभी वार्डों में लगातार गश्त करने के आदेश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना डॉ अम्बेडकर चौत्य भूमि स्मारक मुंबई यात्रा 15 नवम्बर से 18 नवम्बर तक



एक सत बुलेटिन, दतिया

मध्य प्रदेश सरकार की अतिमहत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना' के तहत जिले के श्रद्धालुओं को संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की महापरिनिर्वाण स्थली 'चैत्यभूमि स्मारक' (मुंबई) के दर्शन का अवसर मिलने जा रहा है। यह विशेष तीर्थयात्रा 15 नवंबर से शुरू होकर 18 नवंबर 2026 तक आयोजित की जाएगी। यात्रा को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां और व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट के निर्देशन में तीर्थयात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सुखद यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष नोडल अधिकारी व दल तैनात किया गया है। 15 नवंबर को श्रद्धालुओं को लेकर विशेष ट्रेन गंतव्य के लिए रवाना होगी। यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों के भोजन, ठहरने, स्थानीय परिवहन और चिकित्सा संबंधी व्यवस्थाएं शासन की ओर से निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि चयनित सभी पात्र श्रद्धालुओं को समय से पूर्व उपस्थित होने के संबंध में सूचित किया जा रहा है। यात्रियों की देखरेख के लिए ट्रेन में सुरक्षाकर्मियों के साथ-साथ शासकीय कर्मचारियों और डॉक्टरों की टीम भी साथ रहेगी।

हितग्राहियों को नहीं मिल रहा योजनाओं का लाभ, बरगी मोहल्ला ग्राम पंचायत में मुख्यालय में नहीं रहते पंचायत सचिव

एक सत बुलेटिन, सिहोरा



जनपद पंचायत मझौली की ग्राम पंचायत बरगी और मोहला में पदस्थ महिला पंचायत सचिवों के ग्राम पंचायत मुख्यालय में नहीं रहने और हफ्ते में एकाध बार पंचायत पहुंचने से दोनों ग्रामों के गरीब हितग्राही उनके कल्याण के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही हितग्राही मूलक कल्याणकारी योजनाओं के लाभ पाने से दूर बने हैं ग्राम पंचायत बरगी के सरपंच शैलेंद्र साहू ने बताया कि उनकी ग्राम पंचायत में पदस्थ महिला पंचायत सदस्यों का मुख्यालय बरगी ग्राम है लेकिन वह मुख्यालय में न रहकर सिहोरा से आना-जाना करती हैं बरगी ग्राम पंचायत का एक ग्राम अनुसूचित जनजाति बाहुल्य है तथा ग्राम में हितग्राही मूलक योजनाओं के पात्र सैकड़ो हितग्राही निवास करते हैं लेकिन पंचायत सचिव के पंचायत में नहीं रहने से वह हितग्राही अपना लाभ प्राप्त करने पंचायत के चक्कर काटते रह जाते हैं कमोवेश यही स्थिति ग्राम पंचायत मोहला में पदस्थ महिला सचिव की है वह मुख्यालय मोहला में न रहकर कटनी से हफ्ते में एकाध बार मोहला पहुंच कर अपने काम की महज खाना पूर्ति करती है ग्राम पंचायत के सरपंच जगदीश ठाकुरी ने बताया मोहला अनुसूचित जनजाति बाहुल्य ग्राम है और ग्राम के हितग्राही मूलक योजनाओं के पात्र हितग्राही पंचायत सचिव के पंचायत में नहीं रहने से योजनाओं का लाभ पाने बहुत परेशान है संबंधित ग्राम पंचायतो के सरपंचो ने क्षेत्र के विधायक एवं मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री अजय बिश्नोई एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जबलपुर को पत्र लिखकर उनके ग्राम पंचायत में पदस्थ महिला पंचायत सचिव का स्थानांतरण तत्काल प्रभाव से कराए जाने की मांग की है।

बहोरीबंद विधानसभा ग्राम तेवरी में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का पुरजोर स्वागत

सिहोरा। चुनाव तैयारी में कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका है कांग्रेस पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से आवाहन है कि वह अभी से चुनाव तैयारी में जुट जाए और पंचायत नगरीय चुनाव में पार्टी को सफलता दिलाये इस सफलता का पूरा लाभ आने वाले विधानसभा चुनाव में मिलेगा यह बात मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने उनके स्वागत में पहुंचे सिहोरा विधानसभा के पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं से कही बहोरीबंद विधानसभा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ आरके यादव की अगुवाई सिहोरा वार्ड क्रमांक 6 प्रभारी श्रेयांश यादव के संयोजन में ग्राम तेवरी में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल थे राज्यसभा सदस्य प्रतिनिधि बाबा कुरेशी जिला उपाध्यक्ष मंजू मिश्रा आलोक पांडे ममता गोटिया शंकर वंशकार राजेश पटेल प्रवीण यादव प्रशांत जैन रघुवीर ठाकुर राजेश हल्दकार सुरेश पटेल के साथ बड़ी संख्या में पदाधिकारी कार्यकर्ता शामिल थे।



भारतीय किसान यूनियन का धरना प्रदर्शन

किसानों की अनदेखी पर फूटा गुस्सा: अन्नदाता की उपेक्षा बर्दाश्त नहीं करने का ऐलान, उठाई मुख्य मांगें

एक सत बुलेटिन, सिहोरा



प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा प्रदेश के अन्नदाताओं की की जा रही उपेक्षा से अन्नदाता चौतरफा संकट से घिरा है भारतीय किसान यूनियन ने कई बार ज्ञापन सौंप कर प्रशासन को चेताया कि वह अन्नदाता के साथ की जा रही उपेक्षा को तत्काल बंद करें लेकिन प्रशासन द्वारा मामले में कोई पहल नहीं की गई भारतीय किसान यूनियन का यह आखरी धरना प्रदर्शन है इसके बाद भी प्रशासन ने कोई कदम नहीं उठाये तो यूनियन के सदस्य हजारों अन्नदाता सड़क पर उतरकर सत्याग्रह विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे यह बात भारती किसान यूनियन जिला अध्यक्ष एडवोकेट रमेश पटेल ने मंगलवार को एसडीएम कार्यालय के सामने हुई यूनियन के धरना प्रदर्शन में शामिल अन्नदाताओं से कहीं बाद में एसडीएम ज्योति परस्ते को अपनी मांगों को लेकर प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया भारतीय किसान यूनियन जिला अध्यक्ष एडवोकेट रमेश पटेल की अगुवाई में पहुंचे सौंपे ज्ञापन में बताया गया विगत 6 वर्षों से लंबे एसपी गारंटी कानून 50 प्रतिशत सभी फसलों पर लागू हो, कर्ज माफी किसान पेंशन और फसल बीमा पर सुधार किया जावे, बिजली के निजीकरण बिजली विधायक 2025 चार श्रम संहिताएं रद्द की जावे, अमेरिका के साथ कृषि उत्पादन एवं डेयरी संबंधित ट्रेड डील को तत्काल निरस्त किया जावे तथा अन्य व्यावसायिक कार्यों के साथ कृषि डील को बाहर रखे जावे अन्यथा देशभर में किसान आंदोलन करेंगे, ग्रामीण क्षेत्रों में गांव-गांव में अवैध शराब बिक्री पर शीघ्र रोक लगाई जावे एवं कार्यवाही सुनिश्चित की जावे इस मौके पर भारत कृषक समाज तहसील अध्यक्ष एडवोकेट रामगोपाल पटेल चंद्रजीत पटेल सरपंच विनय पटेल के के पटेल भारतीय किसान यूनियन के जितेंद्र कुर्मी लक्ष्मी नारायण पटेल प्रदीप पटेल बिहारी पटेल अशोक पटेल संत कुमार पटेल वीरेंद्र पटेल अजीत पटेल अखिलेश पटेल दिलीप पटेल गंगा पटेल पार्षद राजेश पटेल सुरेंद्र पटेल सुरेश पटेल के साथ बड़ी संख्या में अन्नदाता उपस्थित थे

नवनीत खितौला मंडलम अध्यक्ष बने



सिहोरा। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सिहोरा नगर में पार्टी संगठन को मजबूत बनाने और जन-जन को पार्टी विचारधारा से जोड़ने के लिए खितौला बाजार के वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता नवनीत शुक्ला को खितौला मंडलम अध्यक्ष नियुक्त किया है नियुक्ति राज्यसभा सदस्य विवेक कृष्ण तंखा विधायक लखन घनघोरिया पूर्व विधायक नित्य निरंजन खंपरिया की सहमति कांग्रेस जिला अध्यक्ष जबलपुर ग्रामीण पूर्व विधायक संजय यादव कांग्रेस प्रदेश सचिव एवं पार्षद राजेश चौबे ब्लॉक अध्यक्ष बिहारी पटेल नगर अध्यक्ष पवन सोनी की अनुशंसा पर की गई है इनकी नियुक्ति पर कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष मंजू मिश्रा राज्यसभा सदस्य प्रतिनिधि बाबा कुरैशी जिला महासचिव अमोल चौरसिया वरिष्ठ सुबोध पांडे प्रकाश कुरिया सुरेंद्र मिश्रा पार्षद आलोक पांडे ममता गोटिया गणेश दहिया शंकर वंशकार राजेश पटेल राजभान शशि कला चौधरी ने खुशी प्रकट की है

जिला मुख्यालय पर सीईओ जिला पंचायत ने की जनसुनवाई, 151 आवेदकों के प्रकरणों की सुनवाई

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भिण्ड श्री वीरसिंह चौहान ने जिले के विभिन्न अंचलों से अपनी समस्याओं का आवेदन लेकर आये 151 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनके निराकरण करने के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर डिप्टी कलेक्टर श्री अखिलेश शर्मा द्वारा भी आवेदकों की समस्याओं पर जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान सीईओ जिला पंचायत भिण्ड श्री चौहान ने गंभीर बीमारी से संबंधित इलाज, विद्युत बिलों में सुधार, हैण्डपंपों का संधारण, पेंशन, सड़क दुर्घटना सहायता, हितग्राही मूलक योजनाओं, बीपीएल राशन कार्ड एवं जमीन पर कब्जा से संबंधित आवेदनों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके संबंध में आवेदक को भी कार्यवाही से अवगत कराने के निर्देश भी दिए।

भिण्ड में कार्बाइड गन पर पूर्ण प्रतिबंध: जनसुरक्षा के लिए कलेक्टर का आदेश

भिण्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी भिण्ड श्री पवन जैन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163(1) में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए भिण्ड जिले में आम नागरिकों की जान-माल, स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा पर्यावरण एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने की दृष्टि से लोहा स्टील, पीवीसी पाईपों, गैस लाईटर, प्लास्टिक पाइप लाईन एवं पोटाश भरकर निर्मित गन और कैल्शियम कार्बाइड के उपयोग से बनी 'कार्बाइड गन' तथा इसी प्रकार के विधि विरूद्ध अन्य खतरनाक उपकरणों के निर्माण, क्रय-विक्रय, प्रदर्शन एवं इसके उपयोग को तत्काल प्रतिबंधित किया है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं पुलिस विभाग संयुक्त रूप से जिले में पोटाश से निर्मित तथा कार्बाइड गन के विरूद्ध तलाशी अभियान चलाया जाकर तत्काल प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु प्रतिवेदन कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला भिण्ड को भिजवाना सुनिश्चित करेंगे। कोई भी व्यक्ति/संस्थाएं/व्यापारी प्रतिबंधात्मक पटाखा, आतिशबाजी, लोहा स्टील अथवा पीवीसी पाइपों में विस्फोटक पदार्थ (पोटाश) भरकर अत्यधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाले अवैध संशोधित पटाखे का निर्माण, भण्डारण, विक्रय नहीं करेगा और न ही क्रय करेगा। किसी भी व्यक्ति को इस प्रकार की गन के निर्माण, क्रय-विक्रय, उपयोग की सूचना प्राप्त होती है तो वह इसकी सूचना तत्काल संबंधित थाने को उपलब्ध कराए तथा पुलिस अधीक्षक भिण्ड को ऐसी सूचनाओं से अवगत करायेंगे, पुलिस अधीक्षक भिण्ड ऐसी सूचनाएं प्राप्त होने तथा उक्तादेश का उल्लंघन पाये जाने पर संबंधित के विरूद्ध विधि अनुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे।

कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े ने जारी किए सख्त निर्देश

दीपावली पर मिट्टी के दीये बेचने वाले ग्रामीण कारीगरों को नहीं लगेगा कर

एक सत बुलेटिन, दतिया



दीपावली के पावन पर्व पर जिले के पारंपरिक कुम्हारों और ग्रामीण कारीगरों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा उनकी कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने एक बड़ा निर्णय लिया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री स्वप्निल वानखड़े ने जिले के सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मिट्टी के दीये बेचने वाले कारीगरों को विशेष सुविधा देने के संबंध में कड़े निर्देश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार, जिले के ग्रामीण अंचलों से शहर और कस्बों में मिट्टी के दीये तथा अन्य पारंपरिक सामग्री बेचने आने वाले कुम्हारों को बिक्री के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा या परेशानी नहीं होनी चाहिए।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि नगर पालिका, नगर पंचायत और जनपद पंचायत क्षेत्रों में तैनात संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि इन निर्धन एवं पारंपरिक कारीगरों से मिट्टी के दीयों के विक्रय पर किसी भी तरह की कर वसूली (टैक्स या बैठकी शुल्क) न की जाए। जिला मजिस्ट्रेट ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि हाट-बाजारों, प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर स्थानीय कारीगरों को सम्मानपूर्वक स्थान उपलब्ध कराया जाए ताकि वे बिना किसी भय या आर्थिक दबाव के अपनी सामग्री बेच सकें। यदि किसी भी निकाय क्षेत्र में कारीगरों से अवैध वसूली या दुर्व्यवहार की शिकायत मिलती है, तो संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध तत्काल सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही कलेक्टर श्री वानखड़े ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे इस दीपावली पर चीनी व प्लास्टिक के कृत्रिम दीयों और लाइटों के बजाय स्थानीय कुम्हारों द्वारा निर्मित मिट्टी के दीयों का अधिक से अधिक उपयोग करें। इससे न केवल पर्यावरण की सुरक्षा होगी, बल्कि पारंपरिक विधा को नया जीवन मिलेगा और ग्रामीण कारीगरों के घरों में भी खुशहाली व समृद्धि का दीप जल सकेगा। कलेक्टर ने सभी संबंधित प्रशासनिक व स्थानीय निकाय अधिकारियों को इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।दीपावली पर्व को लेकर जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपनी परंपराओं से जुड़ने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का आह्वान किया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री स्वप्निल वानखड़े ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे इस दीपावली पर विदेशी चीनी सामानों, प्लास्टिक के कृत्रिम दीयों और बिजली की लाइटों के बजाय स्थानीय कुम्हारों द्वारा निर्मित मिट्टी के दीयों का अधिक से अधिक उपयोग करें। प्रशासन की इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के पारंपरिक कारीगरों, हस्तशिल्पियों और कुम्हार समाज को आर्थिक संबल प्रदान करना है। मिट्टी के दीयों की मांग बढ़ने से वर्षों से इस कला से जुड़े परिवारों को रोजगार मिलेगा और उनके घरों में भी खुशहाली का पर्व मनाया जा सकेगा।

जबलपुर में हुए बलराम कृषि महोत्सव में किसानों को दी आधुनिक खेती, प्राकृतिक कृषि और पशुपालन की जानकारी

किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने किए जा रहे प्रयास : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए कृषि के साथ उद्यानिकी, मत्स्य पालन और पशुपालन जैसी गतिविधियों को भी बढ़ावा देना जरूरी है। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने, प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने और कृषि आधारित उद्योगों के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत मंगलवार को कृषि उपज मंडी परिसर जबलपुर में बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने जबलपुर की कृषि विशेषताओं का उल्लेख करते हुए मटर, सिंघाड़ा और अन्य कृषि उत्पादों की संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने के लिए पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण को भी महत्वपूर्ण बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत कृषि के साथ उद्यानिकी, मत्स्य पालन और पशुपालन को भी प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने पशुपालन के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि किसानों को अच्छी नस्ल की गाय उपलब्ध कराने और उन्हें गौपालन के लिए प्रेरित करने के प्रयास किए जाएंगे। किसानों के घरों में शुद्ध दूध और दही उपलब्ध हो तथा प्राकृतिक खेती एवं जैविक उत्पादों को बढ़ावा मिले, इस दिशा में भी सहभागिता आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर में फूड पार्क और औद्योगिक गतिविधियों के विकास की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि कृषि और उद्योग के बीच बेहतर समन्वय से किसानों को अपने उत्पादों के लिए व्यापक बाजार मिल सकता है। उन्होंने प्रगतिशील किसानों को प्रोत्साहित करने तथा किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों और नई तकनीकों की जानकारी उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने भी किसानों को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि बलराम कृषि महोत्सव किसानों को शासन की योजनाओं और आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। किसानों को बेहतर बाजार, सुविधायुक्त मंडियां और अपने उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचाने के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और प्राकृतिक उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई। राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि ने कहा कि मुख्यमंत्री का किसानों से सीधा संवाद उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को समझने का अवसर है। किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ मिले और उनकी जरूरतों के अनुरूप प्रयास किए जाएं, यह आवश्यक है। अपेक्स बैंक के प्रशासक श्री महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर फसल ऋण उपलब्ध कराने सहित विभिन्न माध्यमों से सहायता देने के प्रयास किए जा रहे हैं। कृषि के साथ पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने से किसानों की आय में वृद्धि हो सकती है।

विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना लक्ष्य : परमार



■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रदेश उच्च शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा के समृद्ध समावेश के लिए भी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारा ध्येय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना है। विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के साथ उनके मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मंत्री श्री परमार मंगलवार को मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में उच्च शिक्षा विभाग एवं राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न संस्थानों के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर एवं समन्वय समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर, भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन संस्थान , भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड और हार्टफुलनेस संस्थान के साथ एमओयू किए।

जिला स्वास्थ्य एवं पोषण समिति की संयुक्त बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा

सुमन पंचायत, आभा आईडी निर्माण, शत-प्रतिशत एएनसी पंजीयन और 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आधार पंजीयन पर विशेष जोर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



भोपाल में जिला स्वास्थ्य एवं पोषण समिति की संयुक्त बैठक कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में डेंगू को लेकर कलेक्टर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि जिले में डेंगू के हॉट स्पॉट का नगर निगम एवं स्वास्थ्य विभाग को शहर का संयुक्त सर्वे करने और आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही खाली प्लॉट को लेकर जल भराव एवं गंदगी होने पर स्पॉट फाइन की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने बैठक में जिले में स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं की प्रभावी क्रियान्वयन व्यवस्था, गर्भवती महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, आभा आईडी निर्माण तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के आधार पंजीयन शत प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति करने के निर्देश दिए साथ ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के भी निर्देश दिए। बैठक में सुमन पंचायत के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने तथा गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। संबंधित अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी, पात्र हितग्राहियों की पहचान और मैदानी स्तर पर विभागीय समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ जरूरतमंदों तक समय पर पहुंच सके। जिले के फंदा एवं बैरसिया ब्लॉक में सुमन पंचायत का चयन करने के निर्देश दिए कलेक्टर श्री मिश्रा ने गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत एएनसी पंजीयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने गर्भावस्था की प्रारंभिक पहचान, समय पर पंजीयन, निर्धारित अंतराल पर प्रसवपूर्व जांच, आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण तथा उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान और नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के लिए आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा संबंधित मैदानी अमले के बीच समन्वय आवश्यक है। प्रत्येक पात्र गर्भवती महिला तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करते हुए मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने चाहिए। बैठक में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आभा आईडी निर्माण पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने पात्र नागरिकों की आभा आईडी बनाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित डिजिटल व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया।

किफायती आवास और जल सुरक्षा की नई नीतियों के प्रारूप का होगा विमोचन

अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 में शहरी विकास, निवेश और आधुनिक अधोसंरचना को मिलेगी नई दिशा

■ एक सत बुलेटिन, **बैरसिया।**



नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा 28 अक्टूबर , बुधवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 का आयोजन किया जा रहा है। कॉन्क्लेव में प्रदेश में शहरी विकास, निवेश संवर्धन, आधुनिक नगरीय अधोसंरचना, डिजिटल गवर्नेंस, किफायती आवास और जल सुरक्षा से जुड़ी संभावनाओं पर मंथन होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। नगरीय विकास एवं आवास विभाग आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने बताया कि अर्बन ग्रोथ कॉन्क्लेव 2.0 प्रदेश के शहरों को आधुनिक, सुविधायुक्त और निवेश के लिए अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मंच होगा। कॉन्क्लेव 2.0 के माध्यम से नगरीय विकास से जुड़ी परियोजनाओं, नीतिगत पहलों और नवाचार आधारित समाधानों को प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही शहरी अधोसंरचना के विकास में निवेशकों और विकास साझेदारों की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर रहेगा। कॉन्क्लेव के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में विभिन्न नगरीय विकास परियोजनाओं का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण करेंगे। इनमें प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत निर्मित आवासों के साथ पुनर्घनत्वीकरण, कम्प्रेस्ड बायोगैस संयंत्र, जलप्रदाय, सीवरेज और नगरीय अधोसंरचना विकास से संबंधित कार्य शामिल हैं। इन परियोजनाओं से शहरों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, आवासीय आवश्यकताओं की पूर्ति और नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार की दिशा में कार्य होगा। नगरीय विकास परियोजनाओं का उद्देश्य शहरों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करना और बढ़ती आबादी की आवश्यकताओं के अनुरूप सुनियोजित विकास सुनिश्चित करना है।

27 अक्टूबर को इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस के प्रस्थान समय में परिवर्तन

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा जबलपुर मंडल में गाड़ी संख्या 11272 के विलंब से चलने के कारण गाड़ी संख्या 11273 इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस को दिनांक 27 अक्टूबर 2026 को पुनर्निर्धारित समय पर चलाने का निर्णय लिया गया है। निर्धारित समयानुसार उक्त गाड़ी को इटारसी स्टेशन से 17:15 बजे प्रस्थान करना था, लेकिन गाड़ी संख्या 11272 के जबलपुर मंडल में लगभग 8 घंटे 52 मिनट विलंब से चलने के कारण गाड़ी संख्या 11273 को 4 घंटे विलंब से पुनर्निर्धारित किया गया है। अब यह गाड़ी इटारसी स्टेशन से 21:15 बजे प्रस्थान करेगी। यात्रियों को हुई असुविधा के लिए रेल प्रशासन खेद व्यक्त करता है। यात्रियों से अनुरोध है कि अपनी यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व गाड़ी के संशोधित प्रस्थान समय की जानकारी रेलवे के अधिकृत पूछताछ माध्यमों से प्राप्त कर लें।27 अक्टूबर को इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस के प्रस्थान समय में परिवर्तन रेल प्रशासन द्वारा भोपाल मंडल होकर संचालित भिंड-रतलाम एक्सप्रेस के ट्रेन नंबर में परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया है। इसके अंतर्गत गाड़ी संख्या 21126 (भिंड-रतलाम एक्सप्रेस) का ट्रेन नंबर 02 जनवरी 2027 से परिवर्तित होकर 11052 हो जाएगा। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 21125 (रतलाम-भिंड एक्सप्रेस) का ट्रेन नंबर 01 जनवरी 2027 से परिवर्तित होकर 11051 हो जाएगा। यात्रियों से अनुरोध है कि उक्त परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाएं तथा यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व संबंधित गाड़ी के नए ट्रेन नंबर की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।

रबी सीजन और दीपावली के लिये निर्बाध विद्युत आपूर्ति करें सुनिश्चित : ऊर्जा मंत्री

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



रबी सीजन और दीपावली के लिये निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें। इसके लिये हर संभव उपाय करें। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह निर्देश मंगलवार को विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान दिये। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि सिंहस्थ में सतत विद्युत आपूर्ति के लिये अभी से सुनियोजित कार्य-योजना बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को हर महीने बिजली बिल दें। साथ ही वसूली भी हर महीने करें। अधिक दिनों के बिल लंबित होने पर वसूली में कठिनाई आती है। विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत जारी कार्यों की सतत समीक्षा कर उन्हें पूरा करायें। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि बिजली बिलों से संबंधित त्रुटियों का निराकरण शीघ्र कराया जाये। इसके लिये उपभोक्ताओं को भटकना नहीं पड़े। उन्होंने कहा कि जन-प्रतिनिधियों से मिलकर चर्चा करें और बिजली से संबंधित समस्याओं का निराकरण करें ऊर्जा मंत्री ने कहा कि संसाधनों में वृद्धि के बावजूद ट्रिपिंग में अपेक्षित कमी क्यों नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि इसकी सतत समीक्षा करें। श्री तोमर ने कहा कि कम्पनियों के एमडी संभाग स्तर पर बैठक कर योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। विद्युत आपूर्ति और माँग की सतत समीक्षा होनी चाहिये। बैठक में प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री मनीष सिंह ने कहा कि शासन की मंशानुसार बिजली उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जायेगी। इस दौरान सचिव ऊर्जा श्री विशेष गढ़पाले, विद्युत वितरण कम्पनी श्री ऋषि गर्ग और एमडी पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी श्री अनूप सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं, 145 आवेदन प्राप्त हुए

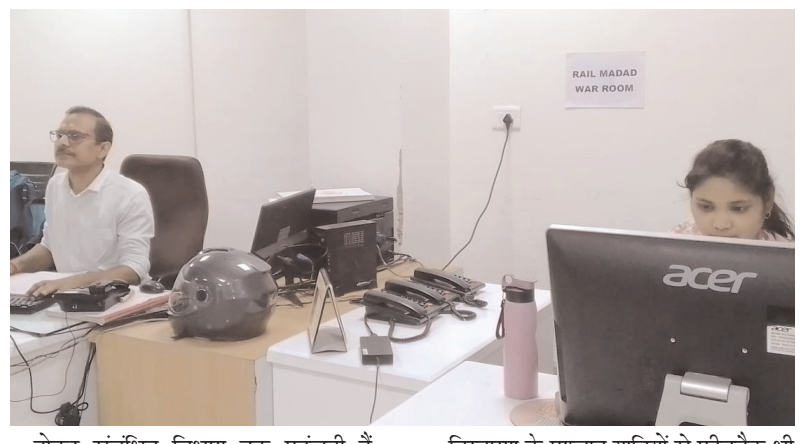


भोपाल। कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 145 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एसडीएम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सीईओ श्रीमती तिवारी ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

रेल मदद पर यात्री शिकायतों के त्वरित निस्तारण में भोपाल मंडल की उल्लेखनीय उपलब्धि

गत वर्ष की तुलना में औसत शिकायत समाधान समय घटकर मात्र 35 मिनट हुआ

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल ने यात्री सुविधा एवं शिकायत निवारण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए अपनाई गई तकनीक-आधारित कार्यप्रणाली के परिणामस्वरूप रेल मदद पोर्टल एवं मोबाइल एप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के औसत समाधान समय में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। भोपाल मंडल में 01 अप्रैल 2026 से 30 सितंबर 2026 के दौरान रेल मदद के माध्यम से कुल 49,034 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनका औसत समाधान समय मात्र 35 मिनट रहा। वहीं, गत वर्ष 01 अप्रैल 2025 से 30 सितंबर 2025 की अवधि में कुल 35,082 शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिनके समाधान में औसतन 50 मिनट का समय लगा था। इस प्रकार, पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में शिकायतों की संख्या में लगभग 40 प्रतिशत वृद्धि होने के बावजूद औसत समाधान समय में 30 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। यह उपलब्धि भोपाल मंडल की कार्यकुशलता, त्वरित समन्वय एवं यात्री-केंद्रित कार्यप्रणाली को दर्शाती है। रेल यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से रेलवे द्वारा हेल्पलाइन नंबर 139 सहित विभिन्न शिकायत माध्यमों को रेल मदद प्रणाली से जोड़ा गया है। इस व्यवस्था के माध्यम से यात्रियों की शिकायतें एकीकृत मंच पर दर्ज होकर संबंधित विभाग तक पहुंचती हैं, जिससे उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है। शिकायतों के निस्तारण के पश्चात यात्रियों से फीडबैक भी प्राप्त किया जाता है। इससे सेवाओं की गुणवत्ता का आकलन करने तथा आवश्यक सुधार करने में मदद मिलती है। भोपाल मंडल में स्थापित रेल मदद वॉर रूम शिकायतों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग करते हुए उनके त्वरित निराकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। रेल मदद वॉर रूम के माध्यम से शिकायतों की नियमित निगरानी की जाती है, जिससे शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने और यात्रियों को समय पर राहत पहुंचाने में सहायता मिलती है। इस पूरी व्यवस्था में वाणिज्य, विद्युत, कैरिज एवं वैगन (सी एंड डब्ल्यू), चिकित्सा तथा रेलवे सुरक्षा बल सहित संबंधित विभाग 24म7 समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। भोपाल मंडल का उद्देश्य यात्रियों की शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के साथ-साथ रेल सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करना है। रेल मदद प्रणाली की नियमित निगरानी, विभागीय समन्वय और तकनीक के प्रभावी उपयोग से यात्रियों की समस्याओं के समाधान को अधिक सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाया जा रहा है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि शिकायतों के प्रभावी निराकरण के लिए संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया है। शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित विभाग को सूचित किया जाता है तथा आवश्यकतानुसार यात्री से संपर्क कर समस्या के समाधान तक सतत निगरानी रखी जाती है। भोपाल मंडल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा उनकी शिकायतों का संवेदनशीलता और तत्परता के साथ निराकरण करने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति भोपाल के लिए, प्रकाशक एवं मुद्रक, **संपादक अमित शर्मा** द्वारा ए -1 माचना कॉलोनी , शा. राजीव गांधी स्कूल के पास, शिवाजी नगर, भोपाल (मप्र) पिन - 462016 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स प्लाट 241-242 डायनामिक सेन्टर, एमपी नगर जोन-1 भोपाल से मुद्रित। **स्थानीय संपादक सुनील नायक**, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI- MPHIN/2018/76807/ E-mail-eksatbulletin@gmail.com, डाक पंजीयन नंबर MP/BHOPAL/4-501/2020-22, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु संपर्क करें- फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088